डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

शुभ दीपावली

वर्ष -08 अंक -199 | प्रयागराज, बुधवार 26 अक्टूबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

सिख समुदाय बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाता है दीपावली, मुगलों से जुड़ा है इतिहास

(आधुनिक समाचार सेवा)

बाजपुर । दीपावली हिंदू और सिख समुदाय के भाईचारे का संयुक्त पर्व है। नवरात्रों से शुरू होने वाली पूजा से धार्मिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और दीपावली तक ये सभी कार्य अपना अलग-अलग धार्मिक महत्व रखते हैं। सिख धर्म में दीपावली के दिन को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार सिखों के तीन त्योहारों में से एक है, जिनमें पहला माघी, दूसरा बैसाखी और तीसरा बंदी छोड़ दिवस। जानकारों के मुताबिक, मुगलों ने जब मध्य प्रदेश के ग्वालियर के किले को अपने कब्जे में लिया तो इसे जेल में तबदील कर दिया। इस किले में मुगल

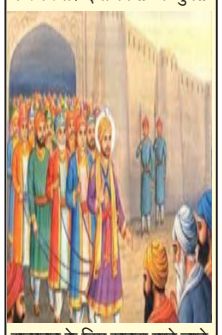

सल्तनत के लिए खतरा माने जाने वाले लोगों को कैद करके रखा जाता था। बादशाह जहांगीर ने यहां 52 राजाओं के साथ 6वें सिख गुरु हरगोबिंद साहिब को कैद रखा था। जानकार बताते हैं कि जहांगीर को सपने में एक रूहानी हुक्म के कारण गुरु हरगोबिंद साहिब को रिहा करने पर मजबूर होना पड़ा था। जब मुगल बादशाह को जब अपनी गलती का अहसास हुआ, तो उन्होंने हरगोबिंद साहिब से लौटने का आग्रह किया। इसके बाद गुरु साहिब ने कहा कि वह अकेले नहीं जाएंगे। उन्होंने कैदी राजाओं को भी मुक्त कराने की बात कही। गुरु साहिब के लिए 52 कली का चोला (वस्त्र) सिलवाया गया। 52 राजा जिसकी एक-एक कली पकड़कर किले से बाहर आ गए। इस तरह उन्हें कैद से मुक्ति मिल सकी थी। दिवाली वाले दिन सिखों के छठवें गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब का अमृतसर आगमन हुआ था। गुरु साहिब ग्वालियर के किले से 52 राजाओं को जहांगीर की कैद से मुक्त कराकर अकाल तख्त साहिब पहुंचे थे।

लंका हो या कुरुक्षेत्र हमने युद्ध को पहले विकल्प के रूप में कभी नहीं देखा - पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सैनिकों के साथ दिवाली का त्योहार मनाने के लिए पीएम मोदी सोमवार को कारगिल पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा कि दिवाली का मतलब 'आतंक के अंत का त्योहार' है और करगिल ने इसे संभव बनाया है। दिवाली के अवसर पर सेना के जवानों को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करगिल में कहा, 'मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है।'सैनिकों के साथ दिवाली मनाने के लिए कारगिल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कभी भी युद्ध को पहला विकल्प नहीं माना, लेकिन अगर कोई देश पर बुरी नजर रखता है, तो सशस्त्र बल इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। पीएम मोदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने युद्ध को पहले विकल्प के रूप में कभी नहीं देखा ... चाहे लंका में युद्ध हो या कुरुक्षेत्र में, हमने इसे स्थगित करने की आखिरी कोशिश की। हम युद्ध के खिलाफ है लेकिन शांति बिना ताकत के नहीं हो सकती। अगर कोई हमें बुरी नजर से देखने की हिम्मत करता है, तो हमारे सशस्त्र बल करारा जवाब

देंगे।संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत ने कभी भी युद्ध को पहला विकल्प नहीं माना, लेकिन अगर कोई देश पर बुरी नजर रखता है, तो सशस्त्र बल इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। पीएम मोदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने युद्ध को पहले विकल्प के रूप में कभी नहीं देखा ... चाहे लंका में युद्ध हो या कुरुक्षेत्र में, हमने इसे स्थगित करने की आखिरी कोशिश की। हम युद्ध के खिलाफ है लेकिन शांति बिना ताकत के नहीं हो सकती। अगर कोई हमें बुरी नजर से देखने की हिम्मत करता है, तो हमारे सशस्त्र बल करारा जवाब देंगे।संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत ने कभी भी युद्ध को पहला विकल्प नहीं माना, लेकिन अगर कोई देश पर बुरी नजर रखता है, तो सशस्त्र बल इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। पीएम मोदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने युद्ध को पहले विकल्प के रूप में कभी नहीं देखा ... चाहे लंका में युद्ध हो या कुरुक्षेत्र में, हमने इसे स्थगित करने की आखिरी कोशिश की। हम युद्ध के खिलाफ है लेकिन शांति बिना ताकत के नहीं हो सकती। अगर कोई हमें बुरी नजर से देखने की हिम्मत करता है, तो हमारे सशस्त्र बल करारा जवाब देंगे।संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। मेरे लिए तो वर्षों-वर्ष से मेरा परिवार आप ही सब हैं। मेरी दीपावली की मिठास आप के बीच बढ़ जाती है, मेरी दीपावली का प्रकाश आपके बीच है और अगली दिवाली तक मेरा पथ प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत ने कभी भी युद्ध को पहला विकल्प नहीं माना, लेकिन अगर कोई देश पर बुरी नजर रखता है, तो सशस्त्र बल इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। पीएम मोदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने युद्ध को पहले विकल्प के रूप में कभी नहीं देखा ... चाहे लंका में युद्ध हो या कुरुक्षेत्र में, हमने इसे स्थगित करने की आखिरी कोशिश की। हम युद्ध के खिलाफ है लेकिन शांति बिना ताकत के नहीं हो

करता हैः दिवाली के अवसर पर सेना के जवानों को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कारगिल,लद्दाख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेना को संबोधित करते हुए कहा, 'पाकिस्तान के साथ एक भी लड़ाई ऐसी नहीं हुई है जहां कारगिल ने विजय ध्वज न फहराया हो। दिवाली का अर्थ है कि आतंक के अंत के साथ उत्सव। यही कारगिल ने भी किया था।' पीएम ने आगे कहा, 'एक राष्ट्र तब अमर होता है जब उसकी संतानों को, उसके वीर बेटों और बेटियों को अपने सामर्थ्य पर परम विश्वास होता है।' इससे पहले कल पीएम मोदी ने अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही पीएम मोदी ने दीपोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले पीएम मोदी ने देशवासियों को दिवाली की बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि प्रकाश का यह पर्व हर किसी के जीवन में खुशियां और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 अक्टूबर 2022 को उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बदरीनाथ व केदारनाथ के भी दर्शन किए। साथ ही उन्होंने अपने इस दौरे पर जनता के साथ संवाद भी किया था। पिछले साल पीएम मोदी ने जम्मू के नौशेरा में जवानों के साथ दिवाली मनाई थी। उन्होंने भारतीय सीमाओं पर सेवा करने के लिए सैनिकों की सराहना की थी और बताया था कि सुरक्षाकर्मी राष्ट्र के ठसुरक्षा कवचठ हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था कि सैनिकों की वजह से ही लोग चैन की नींद सो पाते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले- भारत अपने उद्देश्यों और सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत अपने उद्देश्यों और सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र दिवस

पर विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने ट्वीट किया, 'के सदस्य के रूप में भारत के मौजूदा कार्यकाल ने समकालीन चुनौतियों का सामना करने के लिए संवाद और कूटनीति को बढ़ावा देने के हमारे सैद्धांतिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित किया है।' उन्होंने कहा कि भारत हमेशा ग्लोबल साउथ के साथ खड़ा रहेगा और संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता को मजबूत करने की कोशिश करेगा। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत अपने उद्देश्यों और सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध है। चार्टर के लक्ष्यों को लागू करने में हमारा योगदान इस प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।' उन्होंने आगे कहा, 'सुधारित बहुपक्षवाद, कानून के शासन और एक निष्पक्ष और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय प्रणाली पर हमारा ध्यान संयुक्त राष्ट्र की निरंतर प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है।' हर साल 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों और उपलब्धियों की जानकारी के लिए मनाया जाता है। साल 1948 में संयुक्त राष्ट्र की महासभा में यह निणय लिया गया कि 24 अक्टूबर यानी संयुक्त राष्ट्र के चार्टर की वर्षगांठ को संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताने के लिए इन दिन को मनाया जाएगा। बता दें, संयुक्त राष्ट्र संघ के 6 महत्वपूर्ण अंग हैं। इनमें महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, न्यास परिषद, सचिवालय और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 1945 में की गई थी। भारत संस्थापक सदस्यों में से एक है।

सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने बनाई मां काली की मूर्ति, 4 हजार दीयों और 5 टन रेत का किया इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

भुवनेश्वर। देशभर में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिवाली के मौके पर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने

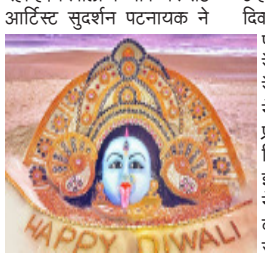

अपने अंदाज में दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। पद्मश्री सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी बीच पर मां काली की रेत से खूबसूरत मूर्ति बनाई है। रेत की मूर्ति बनाने में उन्होंने हजारों दीयों का इस्तेमाल किया है। सुदर्शन पटनायक ने रेत से बनाई मां काली की मूर्ति ट्वीट भी की है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट से मां काली की तस्वीर ट्वीट की है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'हैप्पी दिवाली... ओडिशा के पुरी बीच पर 4045 दीयों से मां काली की रेत से मूर्ति बनाई है।' 6 टन रेत का किया इस्तेमाल सुदर्शन ने मां काली की 5 फीट ऊंटी प्रतिमा बनाई है। प्रतिमा में 4045 दियों और पांच टन रेत का इस्तेमाल किया गया है। सुदर्शन ने बताया कि इसे बनाने में उन्हें करीब पांच घंटे का वक्त लगा। सुदर्शन ने आगे कहा कि मैं लोगों से इस दिवाली पर्यावरण को स्वच्छ रखने और प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने की अपील करता हूं।सुदर्शन पटनायक दुनिया भर में 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेत कला प्रतियोगिताओं और समारोहों में हिस्सा ले चुके हैं। सुदर्शन देश के लिए कई पुरस्कार जीत चुके हैं।

राष्ट्रीय महासचिव दी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन
डां० पुनित अरोरा

दी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसियेशन की उत्तर प्रदेश की मुख्य इकाईयो का हुआ गठन

आधुनिक समाचार सेवा का आधुनिक नजरिया

दीपावली के पावन पर्व पर कर्मचारीयो को बधाई दी गई

असाँव में हुई दंगल में मेरठ के साकिर बने चैम्पियन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जनपद के असाँव गाँव में धनतेरस के अवसर पर हुई तैतीसवीं दंगल में रोमांचक मुकाबले में मेरठ के पहलवान साकिर ने रोमांचक मुकाबले में अपने प्रतिद्वंदी को चित्त करते हुए चैपियन का खिताब अपने नाम दर्ज करवाया। दंगल मे नामी-गिरामी पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। दर्शकों की तरफ से भी इनामों की बौछार की गई।देर शाम तक चली इस दंगल में फाइनल कुश्ती आगरा के लोकेश व मेरठ के साकिर के बीच हुई जिसमें साकिर ने लोकेश को हरा कर विजेता का खिताब अपने नाम किया।लक्ष्मी बाल विद्या मंदिर के प्रबन्धक बाबूलाल पान्डेय को मेला कमेटी की ओर से

सम्मानित भी किया गया। मेला कमेटी के संस्थापक कमलेश मिश्र एडवोकेट ने आभार ज्ञापित किया।दंगल में निर्णायक की भूमिका कमलेश मिश्र राजा ने निभाई। इस अवसर पर प्रधानपति उदयराज वर्मा,राजकुमार शुक्ल,आनन्द त्रिपाठी,नरेंद्रओझा, विपिन प्रकाश त्रिपाठी एडवोकेट,शैलेन्द्र तिवारी, लालजी मिश्र, डॉ0 विद्याभूषण मिश्र, मनीश शुक्ल, सुरेश मिश्र, वृजराज वर्मा एडवोकेट,रमेश मिश्र आदि लोग मौजूद रहे।

वाराणसी में मिष्ठान-पकवान से सजेंगे विश्वनाथ धाम और अन्नपूर्णा मंदिर समेत देवालय, कल अन्नकूट का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को अन्नकूट व गोवर्धन पूजनोत्सव का विधान है। प्रतिपदा तिथि इस बार 26 अक्टूबर को मिल रही है। तिथि विशेष पर श्रीकाशी

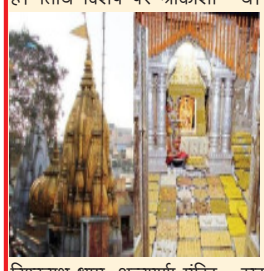

विश्वनाथ धाम, अन्नपूर्णा मंदिर समेत देवालयों में अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें भगवान कोकूटे हुए अन्न से खुद बनाए गए 56 प्रकार के मिष्ठान-पकवान का भोग अर्पित किया जाएगा। इससे ही विभिन्न आकृतियां उकेर कर झांकी सजाई जाएगी। इसलिए इसे अन्नकूट महोत्सव कहते हैं। ख्यात ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार अन्नकूट वस्तुतः गोवर्धन पूजा का ही समारोह है। प्राचीन काल में बृज से संपूर्ण नर-नारी अनेक पदार्थों से इंद्र का पूजन करते और नाना प्रकार के सभी रसों से परिपूर्ण 56 भोग का भोग लगाते थे। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में ही इंद्र की पूजा को निषिद्ध कर गोवर्धन की पूजा कराई। स्वयं ही दूसरे स्वरूपों से गोवर्धन बन कर अर्पण की हुई संपूर्ण भोजन सामग्री का भोग लगाया। यह देख कर इंद्र ने बृज पर प्रलय करने वाली वर्षा की लेकिन भगवान श्रीकृण ने गोवर्धन पर्वत को हाथ पर रखा कर बृजवासियों को उसके नीचे खड़ा कर बचा लिया तब से कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजनोत्सव व अनन्कूट मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह वैष्णवों का प्रमुख पर्व माना जाता है।कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा तिथि में गोवर्धन पूजनोत्सव का विधान है। तिथि विशेष पर आवास के बाहर गो गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजन किया जाता है। धर्म शास्त्र अनुसार इसे शिखर युक्त वृक्षादि से संयुत और पुष्पादि से सुशोभित करने का विधान है।

श्री बड़े हनुमान जी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव का शुभारंभ, शंख ध्वनि और मंत्रोच्चार से गूंजा जा परिसर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के बड़े हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव का शनिवार को शुभारंभ हुआ। बाघंबरी मठ व बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने हवन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। सुबह गणपति हवन के साथ पूजन शुरू किया गया। सनातन वैदिक पद्धति से द्रविड और उत्तर भारत के वैदिक ब्राह्मणों ने अनुष्ठान कराया। बता दें कि बड़े हनुमान मंदिर में लेटे बजरंग बली को

प्रयागराज के नगर कोतवाल के रूप में माने जाते हैं। महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने बताया कि 22 से 24 अक्टूबर तक हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। हनुमान जन्मोत्सव में संगम के शहर प्रयागराज में बड़े हनुमान मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु आ रहे है। शनिवार को बड़े हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव की शुरुआत सुबह छह बजे हवन करके की गई। कल होगा बजरंग बली का विशेष श्रृंगार महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने सुबह सात से 10 बजे तक विशेष अनुष्ठान किया। इस दौरान मठ के साथ-साथ दक्षित भारत से आए वैदिक ब्राह्मणों ने भी अनुष्ठान में हिस्सा लिया। मंदिर को फूलों व झालरों से सजाया गया है। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ जमा हो गई थी। श्रृद्धालु पवनपुत्र हनुमान का पूजन-अर्चन कर करने के लिए कतार में लगे। पूरा मंदिर परिसर शंख ध्वनि और वैदिक मत्रोच्चार से गूंज रहा था। 23 को विशेष श्रृंगार और भजन गायक का कार्यक्रम महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने बताया कि रविवार को 10 से 12 बजे तक भगवान श्री बड़े हनुमान जी का अभिषेक किया जाएगा। दोपहर में हनुमान जी का विशेष श्रृंगार होगा। शाम साढ़े चार बजे महाआरती होगी। इसके बाद शाम पांच बजे से पंडित अजय यागिन्क सामूहिक सुंदरकांड का पाठ करेंगे। प्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लख्खा भी कार्यक्रम में आएंगे। महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने बताया कि 23 अक्टूबर को रात करीब आठ बजे भजन गायक लखबीर सिंह लख्खा के द्वारा विशेष भजन संध्या का आयोजन होगा।

मऊ में प्रेम प्रसंग को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में बीडीसी की हत्या, आठ लोग हो गए घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मऊ। रानीपुर के अंतर्गत पडरी ग्राम सभा में सोमवार की देर रात दबंगों ने एक लड़की के एक तरफा प्यार में विरोध करने पर बीडीसी सदस्य की हत्या कर दी गई। जबकि चार घर वालों बुरी तरह से घायल कर दिया। गांव निवासी श्यामा नाम अपने गांव की लड़की सुमन पर बुरी नजर रखता था। पिछले दिनों लड़की की शादी तय होने पर उसने शादी रोकने का

भी प्रयास किया था। लड़की के विरोध करने पर आरोपी ने अपने रिश्तेदारों और घरवालों के साथ उनके घर में घुसकर छेड़खानी की और उनके घर वालों को हसियां और धारदार हथियार से घायल कर दिया।घटना में 25 वर्षीय अजीत कुमार (बीडीसी नौसौंपुर) की मौके पर ही मौत हो गई। इन घायलों में एक मनोज रानीपुर ब्लाक बीडीसी सदस्य है, जो उसी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने मामला संज्ञान में आते ही जांच शुरू कर दी है। गांव का एक अधेड़ व्यक्ति, जो तीन बच्चों का पिता है। वह काफी समय से उस पर बुरी नजर रखता है। अपनी इज्जत के ख्याल से जिसका किसी ने विरोध नहीं किया। जब उसकी शादी तय हो गई तो आरोपी श्यामा ने उसके घर वालों तथा ससुराल वालों को तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया और उसका वररक्षा हो जाने पर वह और भी परेशान करने लगा।

अधिवक्ता के मां के हाथ से दिनदहाड़े बदमाशों ने मोबाइल छीन कर अधिवक्ता को दे रहे हैं धमकी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी/हरहुआ। वाह रे प्रशासन बदमाशों के आगे बौना साबित हो ही गए जब अधिवक्ता यानी कानून के रखवाला ही सुरक्षित नहीं तो आम जनता की क्या हाल होगी। राजातालाब थाना अंतर्गत कंठीपुर चौराहे के समीप बीते 9 अक्टूबर को अधिवक्ता आनंद पटेल ने अपने मां को किसी कार्य के लिए बाजार लेकर गया था लौटते समय कंठी

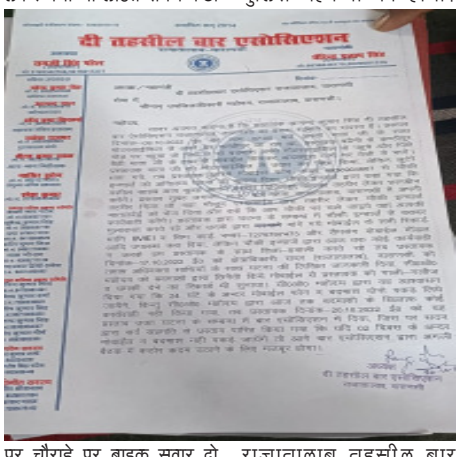

पुर चौराहे पर बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी माता शकुंतला देवी के हाथों से मोबाइल छीन कर फरार हो गए और उसी मोबाइल से अधिवक्ता को धमकियां दे रहे हैं पीडित अधिवक्ता ने मातलदेई चौकी प्रभारी को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाया। लेकिन पुलिस ने उसे अभी तक नहीं पकड़ पाई। बताते चलें कि लगभग 2 हफ्ते बीत गए अभी तक केवल चौकी प्रभारी सांत्वना दे रहे हैं की मैं टीम गठित किया हूं जल्द से जल्द पकड़ लूंगा। पीडित अधिवक्ता आनंद ने बताया कि जो बदमाश मेरे मां का मोबाइल चुराए हैं उसी मोबाइल नंबर से बदमाश तरह-तरह की यातनाएं व धमकियां दे रहा है लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है यदि मेरे ऊपर कोई भी दुर्घटना होगी तो इसके जिम्मेदार पुलिस महकमा की होगी। राजातालाब तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामजीत सिंह पटेल व तमाम अधिवक्ताओं ने इसकी शिकायत क्षेत्राधिकारी से भी किया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। पीडित अधिवक्ता आनंद सिंह ने बताया कि यदि अगर हमें न्याय नहीं मिला तो हम सब अधिवक्ता धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com
Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

रेनुसागर हिंडालको पावर प्लांट में कार्य करने के दौरान मजदूर व्यक्ति की हुई मौत, मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। ऊंचाई पे कार्य करने के दौरान नीचे गिरने से ठेकेदार में कार्यरत संविदा मजदूर व्यक्ति की हुई मौत तकरीबन दस मीटर ऊंचाई पर पचास वर्षीय मजदूर व्यक्ति द्वारा कार्य के दौरान हुई घटना मृतक व्यक्ति श्याम सुन्दर निवासी डिबुलगंज का बताया जा रहा है घटना में व्यक्ति की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल मजदूर व्यक्ति की मौत के बाद अन्य मजदूरों सहित ठेकेदार व हिंडालको के अधिकारियो में मचा हड़कंप रेनुसागर हॉस्पिटल पर मृतक मजदूर का शव रख उचित मुआवजे की मांग को लेकर डटे हुए मज़दूर घटना की जानकारी मिलते ही रेनुसागर पुलिस मौके पर मौजुद अनपरा के रेनुसागर चौकी अंतर्गत रेनुसागर हिंडालको पावर प्लांट का मामला।

पिता की हत्या के आरोपी दोनों पुत्र गिरफ्तार, भूमि विवाद में लाठी से पीटकर ली थी जान

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के भवानीपुर पाल बस्ती में बीते गुरुवार रात पिता की हत्या करने के आरोपी दोनों पुत्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जमीन विवाद में इस वारदात को अंजाम दिया गया था। विंध्याचल थाना क्षेत्र के भवानीपुर पाल बस्ती में बीते गुरुवार रात पिता की लाठी से मारकर हत्या करने के आरोपी दोनों पुत्रों को पुलिस ने सोमवार को दोपहर में ओझला पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पुलिस ने जेल भेज दिया। विंध्याचल थाना क्षेत्र के पाल बस्ती निवासी दुखरन पाल (62) से चार पुत्र और तीन पुत्रियां है। सबसे बड़ा सुरेश व उसके बाद संतोष, मोनू और सोनू हैं। दो बड़े पुत्रों और तीन पुत्रियों की शादी हो गई है। दोनों बड़े पुत्र अलग रहते हैं। बृहस्पतिवार की रात दोनों बड़े पुत्रों का पिता से जमीन को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों ने पिता पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। पतने सुलोचला ने बीच-बचाव किया, परंतु पुत्र नहीं माने। इस हमले में दुखरन लहूलुहान होकर गिर पड़े।

बाइक व साइकिल की टक्कर में तीन घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। सोनभद्र स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के स्थित डाला चढ़ाई पर आज सोमवार को दोपहर बाद बाइक व साइकिल की टक्कर में 3 लोग घायल हो गए वही सुचना पाकर मौके पर पहुंचे डाला चौकी प्रभारी अरविंद कुमार गुप्ता द्वारा घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस 108 द्वारा चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार अनियंत्रित बाइक सवार ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी घटना में घायल राकेश उम्र 25 वर्ष पुत्र रूपनारायण खरवार निवासी बेलहत्थी व नरेश कुमार उम्र 18 वर्ष पुत्र शिवपूजन निवासी बड़वानी तथा साइकिल सवार धर्मराज उम्र 28 वर्ष पुत्र जंगाली मूल निवासी परासपानी तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए राहगीरों द्वारा सूचना पुलिस व 108 नंबर को दे दी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजकर घटना में शामिल बाइक व साइकिल को चौकी परिसर में खड़ा करा लिया गया।

है कंहा वह आग जो मुझको जलाए,
है कंहा वह ज्वाल पास मेरे आए,

रागिनी, तुम आज दीपक राग गाओ;
आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ ।

तुम नई आभा नहीं मुझमें भरोगी,
नव विभा में स्नान तुम भी तो करोगी,

आज तुम मुझको जगाकर जगमगाओ;
आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ ।

मैं तपोमय ज्योति की, पर, प्यास मुझको,
है प्रणय की शक्ति पर विश्वास मुझको,

स्नेह की दो बूंदे भी तो तुम गिराओ;
आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ ।

कल तिमिर को भेद मैं आगे बढूंगा,
कल प्रलय की आंधियों से मैं लडूंगा,

किन्तु आज मुझको आंचल से बचाओ;
आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ ।

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

राग विराग
अध्यक्ष
राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज

चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार गुप्ता ने गरीब तबके के बच्चों के बीच पहुंचकर बच्चों में दिपावली की मिठाई व पटाखे चाकलेट बाटकर उनके साथ दीपावली मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के मलिन बस्ती में नवागत चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार गुप्ता अपने सभी स्टाफ के साथ दीपावली के पावन अवसर पर गरीब तबके के बच्चों के बीच पहुंचकर बच्चों में दिपावली की मिठाई व पटाखे चाकलेट बाटकर उनके साथ दीपावली मनाई। वहीं बुजुर्ग और बुजुर्ग महिलाओं को मिठाई एवं माता बहनों को मिठाई के साथ फूलझड़ियं.ां बांट कर खुशीया मनाया गया जिसके उपरांत सभी दीपावली की शुभकामनाएं दीं वही इस दौरान नवागत चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि इस तरह के आयोजन से मन को काफी खुशी मिलती है लोगों को इस तरह के कार्यक्रम करते रहना चाहिए। गरीब बच्चे जो पैसे के अभाव में त्यौहार नहीं मना पाते हैं वहीं नशा मुक्ति को लेकर सख्त निर्देश भी दिए की अगर कोई व्यक्ति त्योहार पर नशा की हालत में किसी प्रकार उदन्डता करता पाया गया तो कठोर कार्रवाई की जायेगी।

यूपी में बिजली की अधिकतम मांग 17 हजार मेगावाट

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। विद्युत उत्पादन निगम की इकाइयां पूर्ण क्षमता से संचालित हो रही है। दीपावली पर बिजली की विशेष मांग बढ़ने की संभावना बनती नहीं दिख रही है। प्रदेश में

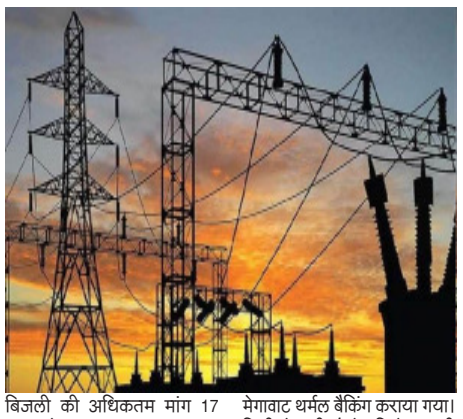

बिजली की अधिकतम मांग 17 हजार मेगावाट तथा न्यूनतम मांग 12 हजार मेगावाट के ऊपर ही बना हुआ है। अनपरा, लैंको ओबरा से अपराह्न में 1200 मेगावाट से अधिक की थर्मल बैंकिंग भी कंट्रोल रूम के निर्देशन में किया जाता रहा। रविवार को उत्पादन निगम की अनपरा अ तापीय परियोजना से 500 मेगावाट उत्पादन क्षमता से 137 मेगावाट, ब परियोजना की उत्पादन क्षमता 842 मेगावाट से 329 मेगावाट तथा डी परियोजना के उत्पादन क्षमता 937 मेगावाट से 77 मेगावाट विद्युत उत्पादन कम कराया गया।जबकि ओबरा से 810 मेगावाट उत्पादन क्षमता से 314 मेगावाट थर्मल बैंकिंग कराया गया। निजी क्षेत्र की लैंको परियोजना की उत्पादन क्षमता 1017 मेगावाट से 406 मेगावाट बिजली उत्पादन कम कराया गया। इसी क्रम में हरदुआगंज की डी एवं ई परियोजना की उत्पादन क्षमता 1073 मेगावाट से 483 मेगावाट थर्मल बैंकिंग कराई गयी। परीछा बी एवं सी परियोजना की उत्पादन क्षमता 837 मेगावाट से 377 मेगावाट कम उत्पादन कराया गया। प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 17161 मेगावाट तथा न्यूनतम मांग 12691 मेगावाट के स्तर पर बना रहा। पीएसीएल द्वारा अपने क्षेत्र में विद्युत पोल, तार, ट्रांसफार्मर की दशा ठीक रखा गया तो प्रदेश में दीपावली पर बिजली की किल्लत नहीं होने की संभावना जताई जा रही।दीपावली पर्व को लेकर शीर्ष ऊर्जा प्रबंधन काफी सचेत रही। तापीय परियोजनाओं द्वारा पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन किया जाता रहा। दीपावली पर्व पर विशेष बिजली की मांग व खपत नहीं होने से जनपद में निगम व निजी विद्युत गृहों से 1560 मेगावाट की थर्मल बैंकिंग कराई गई। सोमवार की अपराह्न अनपरा अ तापीय परियोजना से 173 मेगावाट, ब परियोजना से 281 मेगावाट, डी परियोजना से 422 मेगावाट, ओबरा तापीय परियोजना से 278 मेगावाट तथा निजी क्षेत्र की लैंको पावर डिवीजन से 406 मेगावाट की थर्मल बैंकिंग करायी गयी। शाम को सभी परियोजनाओं से थर्मल बैंकिंग हटा ली गयी। दीपावली के दिन प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग महज 16334 मेगावाट तथा न्यूनतम मांग 11950 मेगावाट के स्तर पर कायम रहा। थर्मल बैंकिंग की वजह से निगम का उत्पादन अपराह्न में 3077 मेगावाट पर बना रहा।

सिचाई विभाग के कारण ग्रामीणों को बीमारी का भय

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। विकासखंड चोपन स्थित ग्राम पंचायत कोटा के कोटा खास में जल निगम द्वारा ग्रामीणों को दी जाने वाली पीने की पानी सीधे कनहर नदी से निकालकर उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे बीमारी की आशंका बढ़ती जा रही है । ग्राम पंचायत कोटा के कोटा खास में लगभग महीनों से जल निगम द्वारा सप्लाई की जाने वाली पीने के पानी वाली पाइप फूटी हुई है। ऐसी स्थिति में पानी सड़क पर आए दिन बह रहा है जिस पानी में बालू के कण और अगर उससे आगे पानी अगर बढ़ जा रहा है तो जिस में बालू कक्कड़ लाल युक्त पानी हमेशा देखने को मिल रहा है जहां ग्रामीणों द्वारा बताया जा रहा है की निजी कंपनी डाला स्थित अल्ट्राटेक द्वारा फिल्टर प्लांट भी लगाया गया था जो काम नहीं कर रहा है ऐसे में देखरेख के लिए जिम्मेदार संबंधित जेई मौके पर उपस्थित नहीं हो पाते गांव के ही किसी व्यक्ति को जिम्मेदारी में डालकर पल्ला झाड़ दिया जाता है देखा जाए तो गांव के ही व्यक्ति द्वारा उसे चालू बंद किया जाता है लेकिन फूटी हुई पाइप की मरम्मत ना होने से ग्रामीणों को मिलने वाला सुविधा सड़क के सहारे बह कर खेतों में चला जा रहा है। इस सम्बंध में ग्रामीणों ने कई बार जेई से लेकर अन्य अधिकारियों को अवगत भी कराया लेकिन कोई समाधान नही हुआ न ही हो रहा है । गंदे व बालू युक्त पानी ग्रामीणों को सप्लाई कर पल्ला झाड़ा तो जा रहा परन्तु उससे होने वाली बीमारी का कारण अधिकारी को दिखाई नही दे रहा।

मीरजापुर में डिबार केंद्रों को वर्ष 2023 में नहीं बनाया जाएगा यूपी बोर्ड का परीक्षा केंद्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। यूपी बोर्ड की वर्ष 2023 की परीक्षा में जिले के डिबार केंद्रों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। प्रबंध तंत्र व प्रधानाचार्य के बीच विवाद होने की स्थिति में भी विद्यालय को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। अगर किसी स्कूल ने गलत सूचनाएं दीं तो वो स्कूल तीन वर्ष तक बोर्ड का परीक्षा केंद्र नहीं बन पाएगा। वहीं 30 प्रतिशत तक अनुपस्थिति वाले विद्यालय भी सेंटर नहीं बनेंगे। यूपी बोर्ड की वर्ष 2023 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया से आनलाइन करने की कवायद आरंभ हो गई है। यूपी बोर्ड परीक्षा 2023 के लिए केंद्र आवंटन की नई नीति जारी कर दी गई है। सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने जिलाधिकारी व डीआइओएस को निर्देश जारी किया है। डीआइओएस अमरनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2019, 2020 एवं 2022 में सचल दल, शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन, एसटीएफ के निरीक्षण में सामूहिक नकल का तथ्य संज्ञान में आया हो। साथ ही किसी अनियमितता के कारण परीक्षा निरस्त कर पुनः परीक्षा कराया गया हो, इस आधार पर परीक्षा केंद्र को डिबार कर दिया गया हो। इसके चलते वर्ष 2023 में परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा।विगत परीक्षा के दौरान विद्यालय में समय पूर्व प्रश्नपत्रों के प्रकटन व प्रश्नपत्रों की चोरी व गोपनीयता भंग होने, उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा केंद्र से बाहर लिखते हुए पकड़ जाने पर डिबार करने के कारण भी परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य आवास अथवा छात्रावास होने के कारण भी परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा वर्ष 2022 में जनपद में सात राजकीय, 41 एडेड और 59 स्ववित्तपोषित विद्यालय सहित 107 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। हाईस्कूल की परीक्षा में पंजीकृत 32547 में से 27967 परीक्षार्थी सफल हुए थे। वहीं इंटरमीडिएट की परीक्षा में पंजीकृत 28562 में से 24041 परीक्षार्थी सफल हुए थे।यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। एक कंप्यूटर पर न्यूनतम 10 व अधिकतम 16 परीक्षा केंद्रों की निगरानी होगी।

मीरजापुर में दीपों से जगमगाया घर आंगन, श्रीगणेश-लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। दीपावली पर सोमवार को शहर से लेकर देहात तक रोशनी से जगमग हो गया। लोग अपने-अपने घरों को सजाने व संवारने में जुटे रहे। देर शाम शहर के बाजार और घर रंग-बिरंगी झालरों से जगमग दिखे। अधिकांश इमारत

रोशनी से नहाई हुई नजर आईं। सुबह से शाम तक ग्राहकों की बाजारों में काफी भीड़ रही। दुकानदारों को भी फुर्सत तक नहीं मिली। लोगों ने पूजा-पाठ के साथ जरूरत की हर चीज की खरीदारी की। दीपावली की खुशियां मनाने के लिए आम व खास सभी जुटे थे। वैसे तो धनतेरस पर ही लोगों ने एक साथ धनतेरस और दीपावली की खरीदारी पूरी कर ली, लेकिन सोमवार को दीपावली का बाजार सजा देखने लायक था। दीपोत्सव सौहार्द व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया।दीप पर्व को लेकर बच्चे, बुजुर्ग सबों में गजब का उत्साह था। लोगों ने मां लक्ष्मी की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शहर भी रोशनी से जगमगा उठा। पटाखे की गूंज व लोगों के उत्साह से पूरा शहर भक्तिमय बना रहा। वैसे तो दोपहर से बाजार में चहल-पहल शुरू हो गई थी। वासलीगंज में एक ही जगह लाई-चूड़ा, दीया और मां लक्ष्मी व श्रीगणेशजी की मूर्ति मिलने के कारण ग्राहकों की संख्या ज्यादा थी। शहर के अलग-अलग स्थानों पर दुकान सजाए बैठे व्यापारियों के यहां भी ग्राहक दिखे। शाम होते-होते ऐसा लगा कि पूरा नगर ही उमड़ पड़ा। एक ओर परंपरागत मिट्ठी का दिया, खिलौना और रूई की बाती का बाजार सजा हुआ था। दूसरी ओर मोमबत्ती और झालरों की जगमगाहट बाजार की चमक बढ़ा रही थी। गणेश-लक्ष्मी की विभिन्न रंग-रूपों वाली मूर्तियां खूब बिकीं।सभी चीजों की कीमतें चढ़ी हुई हैं, लेकिन ग्राहकों ने कीमत की परवाह किए बिना ही जमकर खरीदारी की। दीपावली मनाने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी भी अपने घर आए हैं। इससे गांव-घर में रौनक का माहौल है। नगर में दुकानों व इमारतों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। लोकल फार वोकल की अपील के चलते इस बार मिट्ठी के दीये खूब बिके। दीवाली पर अपने प्रतिष्ठानों व दुकानों की सजावट के लिए लोग सुबह से ही माला की भी डिमांड अधिक रही। सबसे ज्यादा गेंदे के माला की डिमांड थी। विद्युत झालरों की दुकानों पर भी सुबह से ही लोगों की भीड़ थी। किसी को नीले रंग तो किसी को मल्टी कलर का झालर लेना था। कुछ ऐसे झालर भी थे, जो फूलों की डिजाइन में थे और सभी को खूब आकर्षित कर रहे थे। पूजन सामग्री की भी हुई खरीदारी दिवाली पूजन के लिए लोगों ने बाजार से खील, खिलौना, बतासे, मिट्ठी के लक्ष्मी-गणेश, दीपक, रुई, कपूर, झाड़ू, लाई, चना, चूरा व मिठाई की खरीदारी की। शहर के मुख्य बाजार घंटाघर, वासलीगंज, बसनही बाजार, त्रिमोहानी में अच्छी खासी भीड़ दिखाई दी। इस कारण जाम भी लगा रहा। दिवाली पर शुभ के लिए बनाए जाते हैं सूरन, खूब बिके दीपावली पर देसी सूरन की खूब डिमांड रही।

जिम्बाब्वे की पहले बल्लेबाजी, बारिश के कारण मैच नहीं हुआ शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के 18वें मैच में साउथ अफ्रीका का सामना जिम्बाब्वे के साथ बेलेरिव ओवल, होबार्ट में हो रहा है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सुपर 12 के ग्रुप बी में ये दोनों ही टीमों का पहला-पहला मुकाबला है जिसमें साउथ अफ्रीका का पलड़ा जिम्बाब्वे पर भारी लग रहा है। इस मैच में टास के तुरंत बाद ही बारिश होनी शुरू हो गई जिसकी वजह से मैच शुरू नहीं किया जा सका है। साउथ अफ्रीका की प्लेइंग इलेवन क्विंटन डिकाक (विकेटकीपर), तेंबा बावुमा (कप्तान), रिले रोसो, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, वेन पार्नेल, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिच नार्त्जे, लुंगी नगिडी। जिम्बाब्वे की प्लेइंग इलेवन रेगिस चकाभा (विकेटकीपर), क्रेग एर्विन (कप्तान), वेस्ले मधेवेरे, सीन विलियम्स, सिकंदर रजा, मिल्टन शुंबा, रयान बर्ल, ल्यूक जोंगवे, तेंदई चतरा, रिचर्ड नगारवा, आशीर्वाद मुजरबानी। इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की टीम ने रेगिस चकाभा की कप्तानी में क्वालीपाइंग राउंड को क्रास करते सुपर 12 में जगह बनाई थी। हालांकि जिम्बाब्वे की तुलना में तेंबा बावुमा की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीका ज्यादा मजबूत दिख रही है जिसमें डिकाक, मार्करम, मिलर जैसे बल्लेबाज हैं तो वहीं रबाडा नगिडी व एनरिच नार्त्जे जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं।

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट को एक और झटका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 वर्ल्ड कप के पहले ही दौर से बाहर हो जाने वाली वेस्टइंडीज टीम को एक और झटका लगा है। दरअसल टीम के कोच फिल सिमंस ने कोच पद से इस्तीफा दे दिया। वेस्टइंडीज के टी20 वर्ल्ड कप 2022 की बात करें तो उसने जहां जिम्बाब्वे की टीम को हराया वहीं

स्कॉटलैंड और आयरलैंड जैसी टीम से उसे हार का सामना करना पड़ा। टीम ने अपने ग्रुप में सबसे नीचले पायदान पर खत्म किया था। सिमंस ने सोमवार रात वेस्टइंडीज क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में कहा, ठमैं स्वीकार करता हूं कि यह सिर्फ टीम नहीं है जिसकी हार चोट पहुंचा रही हैं।

73 साल के गावस्कर ने लाल टोपी पहनकर पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद कुछ ऐसे जश्न मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत ने मेलबर्न में पाकिस्तान पर जो जीत दर्ज की वो भारतीय क्रिकेट इतिहास की कुछ बेहतरीन जीतों में से एक रही। इस जीत की चर्चा हमेशा की जाएगी और टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज उठा। यही नहीं मेलबर्न में मौजूद टीम इंडिया के कुछ दिग्गज खिलाड़ी भी पूरे देश के जशन में शामिल नजर आए। मेलबर्न में भारत को आखिरी गेंद पर जीत के लिए एक गेंद पर एक रन की जरूरत थी और आर अश्विन ने जैसे ही विनिंग अंदाज सबसे अलग था। गावस्कर का जशन मनाने का अंदाज वाकई दिल जीतने वाला था और जो वीडियो वायरल हुआ में उसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि देश की जीत के बाद वो कितने खुश थे। आखिरी ओवर का रोमांच आपको बता दें पर कोहली ने दो रन लिए। चौथी गेंद उन्होंने नो फेंकी और इस गेंद पर कोहली ने छक्का लगा दिया।फिर अगली गेंद उन्होंने वाइड फेंक दी और चौथी गेंद जो उन्होंने सही फेंकी उस पर भारत को बाई के रूप में तीन रन मिले। पांचवीं गेंद पर दिनेश कार्तिक

विराट कोहली की इस पारी को शायद ही कभी कोई भूल पाएगा। मेलबर्न ग्राउंड पर 90,000 क्रिकेट फैंस के सामने टीम इंडिया की ये जीत बेमिसाल रही और आर अश्विन ने एक रन लेकर जैसे ही भारत को जीत दिलाई पूरा देश दिवाली के मौके पर खुशी से झूम शाट लगाया स्टेडिम में मौजूद कई पूर्व भारतीय खिलाड़ी, इरफान पठान, श्रीकांत व सुनील गावस्कर जमकर जशन मनाने लगे। इसमें से सबसे ज्यादा जोश में लिटिल मास्टर गावस्कर नजर आ रहे थे जिन्होंने लाल रंग की टोपी पहन रखी थी और उनका डांस व उनका कि भारत को जीत के लिए 6 गेंदों पर 16 रन की जरूरत थी और लास्ट ओवर का रोमांच गजब का था। ये ओवर मो. नवाज फेंक रहे थे। नवाज ने पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या को 40 पर आउट कर दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर कार्तिक ने एक रन बनाया तो वहीं तीसरी गेंद एक रन पर स्टंप हो गए और भारत को जीत के लिए अब एक गेंद पर 2 रन बनाने थे, लेकिन नवाज ने अगली ही गेंद वाइड फेंक दी। अब एक गेंद पर एक रन बनाने थे, लेकिन आर अश्विन ने आखिरी गेंद पर एक रन लेकर मैच में जीत हासिल कर ली।

अकरम, वकार और मिस्बाह ने एक सुर में कहा- टीम इंडिया के भविष्य का कप्तान है यह खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया ने अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। मेलबर्न में खेले गए सांस रोक देने

वाले रोमांचक मैच में टीम इंडिया ने 4 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में एक वक्त टीम इंडिया 31 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी लेकिन उसके बाद विराट कोहली और हार्दिक पांड्या ने 5वें विकेट के लिए रिकॉर्ड 113 रन जोड़े। हालांकि हार्दिक गेम को फिनिश नहीं कर पाए और आखिरी ओवर की पहली गेंद पर बाबर को कैच थमा कर आउट हो गए। उन्होंने 40 रन की पारी खेली।मैच के बाद विराट कोहली ने भी कहा था कि हार्दिक ने उन्हें दबाव की स्थिति में शांत रहने में मदद किया था। अब पाकिस्तान के पूर्व लीजेंड जिसमें वकार यूनुस, वसीम अकरम और मिस्बाह उल हक शामिल हैं। सबने एक सुर में हार्दिक पांड्या की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वो टीम इंडिया के कप्तान बन सकते हैं। मिस्बाह ने ए स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए कहा कि हार्दिक पांड्या को अगल आप देखें उसने पहली दफा आइपीएल की कप्तानी की थी और उन्होंने आइपीएल जीती। उससे पता चलता है कि वह दबाव को किस तरह झेल सकता है खासतौर से टीम में उसका फिनिशर को रोल है और इस रोल में आप तभी फिट हो सकते है जब आप मानसिक रूप से स्ट्रोंग हो और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी वह गेम को अच्छी तरीके से रीड कर रहे थे।

विराट कोहली ने रोहित शर्मा का रिकार्ड तोड़ा, टी20वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली टी20 वर्ल्ड कप 2022 के पहले मैच में मेलबर्न में साबित किया कि उन्हें रन मशीन का खिताब क्यों दिया गया है।

विराट कोहली इस मैच से पहले वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में नहीं उतरे थे और वार्म-अप मैच में वो आस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं चल पाए थे। इसके बाद उनकी बल्लेबाजी फार्म को लेकर फिर से आशंका जताई जा रही थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने वाले कोहली ने इस बार भी टीम के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई और भारत की जीत के नायक बने। पाकिस्तान के विरुद्ध विराट कोहली ने इस मैच में 53 गेंदों पर 4 छक्के व 6 चौकों की मदद से नाबाद 82 रन की पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट 154.72 का रहा। 31 रन पर चार विकेट गिरने के बाद उन्होंने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर भारतीय पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 113 रन की शतकीय साझेदारी की जो पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे बड़ी साझेदारी भी साबित हुई। पांड्या ने भी मैच में 40 रन का योगदान दिया और भारत को 4 विकेट से जीत मिली। कोहली ने अपनी इस पारी के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड तोड़ दिया और वो अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट कोहली के नाम पर अब कुल 3,794 रन दर्ज है जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद रोहित शर्मा के नाम पर 3741 रन है। मार्टिन गप्टिल अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं और उन्होंने 3531 रन अब तक बनाए हैं जबकि 3231 रन से साथ पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम चौथे स्थान पर हैं।

राशिफल

मेष-: आज का दिन अच्छा रहेगा. आप बिना थके घर के काम आसानी से पूरे कर लेंगे। पाएँ बेहतर परिणामों के लिए खुद पर विश्वास. कार्यों के प्रति अपना व्यवहार मित्रवत रखें।

वृष-: आज आपको मित्रों की ओर से कोई नई खुशखबरी मिलने वाली है. आप समय पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आज आपके व्यक्तित्व और क्षमताओं का विकास हो सकता है।

मिथुन-: आज के दिन नए कार्यों की शुरुआत पर ध्यान देना चाहिए. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो आज का दिन अच्छा है। का ध्यान रखें और उन्हें हाथ से जाने न दें।

कर्क-: आज आपके मित्र आपकी मदद करेंगे। किसी मित्र को आपकी सलाह से बहुत लाभ हो सकता है। आपको केवल उन अवसरों के लिए धैर्य रखना होगा जो आपको मिलेंगे।

सिंह-: आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहेगा। जिन कार्यों को आप काफी समय से पूरा करने का प्रयास कर रहे थे, उन कार्यों के बारे में आप ध्यान से सोचेंगे।

कन्या-: आज आपको किसी प्रकार की आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी के सामने न रखें अन्यथा दूसरा उसका फायदा उठा सकता है।

तुला-: आज भाग्य आपका साथ देगा। आज आप अपने बात करने के तरीके से लोगों का दिल जीत लेंगे। आज आप अपने व्यवहार से ऐसे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

वृश्चिक-: व्यापार में विस्तार के साथ ही आप व्यापार जगत में अपनी पहचान बनाएंगे. पिछले कुछ समय से अगर आपका जीवनसाथी रोजमर्रा के कामों में व्यस्त था।

धनु-: आज का दिन आपके व्यक्तित्व को निखारने के लिए अच्छा है। आपका अच्छा व्यक्तित्व आपको समाज में एक अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर-: आज आपको न तो कोई बड़ा खर्च करना चाहिए और न ही कोई वादा करना चाहिए. यह एक सुखद और आनंददायक दिन होगा। आप भी अपने आप में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज ऑफिस में बॉस आपके काम से खुश हो सकते हैं और इनाम के तौर पर प्रमोशन दे सकते हैं।

मीन-: आज अगर आपको मदद की जरूरत है तो आज आपके दोस्त और रिश्तेदार पीछे नहीं हटेंगे. आज आपको कुछ महत्वपूर्ण कार्य निपटाने होंगे।

जिस हार में बड़े-बड़े टूट जाते हैं, देखिए कैसे बाबर टीम का हौसला बढ़ाते हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के मैदान पर जो हुआ वो रोज-रोज नहीं होता। ऐसे मैच के कारण पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने जबरदस्त तरीके से अपने टीम का हौसला बढ़ाया। पीसीबी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में बाबर मैच जिताए हैं और आगे भी जिताएगा। बड़ी अच्छी कोशिश थी। प्रेशर था लेकिन तू इतना क्लोज लेकर गया गेम। जो भी चीज है

ये बात और पुख्ता होती है कि क्रिकेट को क्यों अनिश्चित्ताओं का गेम कहा जाता है मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से ज्यादा दर्शकों के बीच इस रोमांचक मुकाबले को शायद ही कोई क्रिकेट फैंस भूल पाएंगे यदि आप भी इस वीडियो को देखेंगे तो समझ जाएंगे हम क्यों ऐसा कह रहे हैं कि जिस हार से बड़े-बड़े टूट जाते हैं देखिए बाबर कैसे अपने टीम का हौसला बढ़ाते हैं। इस हार से बाहर निकलते हुए पूरी टीम को मोटिवेट करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में बाबर न केवल आखिरी ओवर करने वाले नवाज का हौसला बढ़ा रहे हैं बल्कि पूरी टीम से कह रहे हैं कि यह केवल शुरुआत है और अभी पूरा टुर्नामेंट बाकी है। इस वीडियो में आखिरी ओवर डालने वाले मोहम्मद नवाज का हौसला बढ़ाते हुए बाबर कहते हैं कि ठनवाज, तू मैच विनर है मेरा। हमेशा तेरे पर भरोसा रहा है और रहेगा। तूने यहां छोड़कर जाना है आगे जाकर नए सिरे से शुरू करना है। हम एक टीम के तौर पर बहुत अच्छा खेले हैं। हम न किसी एक की वजह से हारे हैं और न किसी एक की वजह से जीतेंगे। पूरी टीम के तौर पर हम हारे हैं। किसी एक के कारण हमारी हार नहीं हुई है।ठ आपको बता दें कि आखिरी ओवर में टीम इंडिया को 16 रनों की दरकार थी और टीम ने 4 विकेट से जीत हासिल कर ली।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर अपनी दोस्त को बुलाते थे वाइफ 2017 में रचाई शादी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आपने कई क्रिकेटरों की लव स्टोरी सुनी और पढ़ी होगी। महेंद्र सिंह धोनी की भी लव स्टोरी को सिनेमा के पर्दे पर देखा, लेकिन आज हम उस खिलाड़ी की लव स्टोरी के बारे में बताएंगे जो अपनी दोस्त को बचपन में ही वाइफ कह कर बुलाते थे। टी 20 विश्व कप 2022 में इंग्लैंड टीम के जोस बटलर टीम

की अगुवाई कर रहे है। इसी साल उन्हें सीमित ओवर के लिए इंग्लैंड कप्तान बनाया गया है। कम ही लोग है जो जोस बटलर की निजी जिंदगी के बारे में जानते हैं। कम ही लोगों को उनकी लव स्टोरी का किस्सा पता है।जोस बटलर की लव स्टोरी बड़ी दिलचस्प रही है। जोस बटलर और लुईस की लव स्टोरी स्कूल के वक्त से ही शुरू हो गई थी। 14 साल की उम्र में दोनों बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे। दोस्ती इतनी गहरी थी कि जोस लुईस को 'वाइफ' कहकर बुलाते थे। दोस्ती कब प्यार में बदल गई, इसका पता भी दोनों को नहीं चला।

पाकिस्तानी फैन ने टीवी तोड़ा तो सहवाग ने वीडिया शेयर कर कहा, हम पटाखे फोड़ रहे आप टीवी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। किसी भी मैच में किसी एक टीम को जीत मिलती है तो दूसरे को हार। जाहिर ऐसी स्थिति में हारने वाली टीम के फैंस को शेयर किया। मेलबर्न में बेहद टाइट मुकाबले में भारत को पाकिस्तान पर 4 रन से जीत मिली और इसके बाद एक पाकिस्तानी क्रिकेट फैन ने अपने लैपटाप से अपना टीवी वो शख्स अपना आपा खो बैठता है और अपने लैपटाल को टीवी पर दे मारता है। इससे भी उसका जी नहीं भरता है तो वो अपने पैरों से टीवी को मारने लगता ये सिर्फ एक गेम है। हमारे यहां दीपावली है तो पटाखे फोड़ रहे हैं और आप बेवजह टीवी फोड़ रहे हैं। आपको बता दें कि पाकिस्तान की टीम ने भारत को

मायूसी हाथ लगती है तो वहीं जीतने वाली टीम के फैंस को खुशी मिलती है। अब भारत और पाकिस्तान के मैच के बाद भी कुछ ऐसा ही हुआ जिसे टीम इंडिया को पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तोड़ डाला। वीरेंद्र सहवाग ने ये वीडियो सबके साथ शेयर किया और एक संदेश भी उसमें लिया। सहवाग ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें दिख रहा है कि भारतीय बल्लेबाज आर अश्विन ने जैसे ही विनिंग शाट लगाया है। इससे पहले वो आखिरी गेंद तक इंतजार करता है और अश्विन के शाट लगाते ही वो आपना आपा खो बैठता है। वीरेंद्र सहवाग ने ये वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा कि रिलैक्स पड़ोसी, जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य दिया था और टीम इंडिया ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन जीतकर मैच में जीत दर्ज की साथ ही दो अंक भी अर्जित किए। अब टीम इंडिया का अगला मैच 27 अक्टूबर को होगा।

सम्पादकीय

विश्व का आपूर्तिकर्ता बन सकता है भारत

चिनफिंग के तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की चर्चा के बीच विश्व बैंक ने चीन के लिए वित्त वर्ष 2022-23 की विकास दर का अनुमान पहले के पांच प्रतिशत से घटाकर 3.2 प्रतिशत कर दिया है। 1990 के बाद चीन पहली बार इतनी धीमी गति से बढ़ रहा है। दरअसल कई तरह के आर्थिक झटकों से चीन की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। इसमें जीरो कोविड नीति से खपत में गिरावट, संपत्ति बाजार की लंबी चली मंदी, निर्यात मांग में गिरावट और ताइवान के प्रति उसका आक्रमक रवैया प्रमुख हैं। इसके कारण चीन के प्रति दुनिया की नकारात्मकता भी बढ़ रही है। परिणामस्वरूप चीन से होने वाली कारोबार और उत्पादन संबंधी आपूर्ति में कमी आई है। इसका फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। दुनिया के कई देश अपनी आपूर्ति शृंखलाओं को चीन से दूर करने का प्रयास कर रहे हैं और भारत से संबंध स्थापित कर रहे हैं। भारत चीन का विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत, आस्ट्रेलिया और जापान चीन पर निर्भरता को कम करने के लिए त्रिपक्षीय आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए विचार कर रहे हैं। एक नए आपूर्तिकर्ता देश के रूप में भारत के दुनिया की उम्मीदों के केंद्र बनने की संभावना के कई कारण हैं। पिछले दिनों विश्व बैंक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2022-23 में दुनिया में सबसे अधिक 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसने वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने के लिए कई आर्थिक सुधार भी किए हैं। यहां 70,000 से अधिक स्टार्ट-अप हैं, जिनमें सौ से अधिक यूनिकार्न हैं। भारत डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी है। वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी करीब साढ़े पांच सौ अरब डालर के स्तर पर दिखाई दे रहा है, जो दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स, 2022 में भारत तेजी से ऊपर चढ़ते हुए 40वें स्थान पर आ गया है। यह पूरा परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रतीक है। यही वजह है कि चीन में कार्यरत अमेरिका सहित विभिनन यूरोपीय देशों की कई मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां चीन से निकलकर भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी भारत के लिए लाभप्रद है कि भारत गुणवत्तापूर्ण और किफायती उत्पादों के निर्यात के लिहाज से एक बढ़िया प्लेटफार्म है। भारत सस्ती लागत और कार्य कौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ सकता है। भारत की करीब 50 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है और इसकी एक बड़ी संख्या तकनीकी एवं पेशेवर दक्षता से सुसज्जित है। इस समय देश में आत्मनिर्भर भारत अभियान और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन स्कीम यानी पीएलआइ की गति भी तेज है। पीएलआइ स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। इस समय वोकल फार लोकल को बढ़ावा देने और विदेशी वस्तुओं का उपयोग कम करने के साथ देश में प्रतिभा, उद्योग, व्यापार और प्रौद्योगिकी को तेजी से प्रोत्साहित किया जा रहा है। नई लाजिस्टिक नीति और गतिशक्ति योजना भी लागू हुई है। इनके उपयुक्त क्रियान्वयन से घरेलू और विदेशी बाजारों में भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा में सुधार आएगा। इसके साथ ही लागत के कम होने से जहां सामान की कीमतें कम होंगी, वहीं भारत नया निर्यात प्रतिस्पर्धी देश भी बनेगा। वहीं सरकार अब विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) की नई अवधारणा पेश कर रही है। सेज से अंतरराष्ट्रीय बाजार और राष्ट्रीय बाजार के लिए विनिर्माण करने वाले उत्पादकों को विशेष सुविधाएं मिलेंगी। इससे देश को दुनिया का नया मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने और आयात में कमी लाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा भारत के विभिनन देशों से मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और क्वाड के कारण उद्योग-कारोबार तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत-संयुक्त अरब अमीरात और आस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को मूर्त रूप देने के बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजरायल के साथ भी इसके लिए वार्ता कर रहा है। नए एफटीए में मुख्य रूप से वाहन और उनके कलपुर्जे, वस्त्र, रसायन एवं औषधि और इंजीनियरिंग जैसे उत्पादों को शामिल करना चाहिए।

संस्कृत को सम्मान देने का समय, सर्वथा उपयुक्त होने पर भी इसकी घोर उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण

भाषा ज्ञान एवं संस्कृति की सशक्त संवाहिका होती है। इसके अभाव में हम किसी राष्ट्र की संस्कृति या अस्मिता की कल्पना तक नहीं कर सकते। किसी भी सभ्यता की विकास-यात्रा में भाषा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाषा के माध्यम से ही कोई भी जाति या राष्ट्र अपने विचारों, जीवन-मूल्यों, आदर्शों, स्मृतियों और परंपराओं आदि की अभिव्यक्ति करता है। भारत की आत्मा या चिति की अभिव्यक्ति देववाणी संस्कृत के माध्यम से हुई है। हमें संस्कृत भाषा और उसके विपुल साहित्य में ही यह देखने को मिलती है। भारत को भारत की दृष्टि से देखने एवं जानने-समझने की भाषा है-संस्कृत, परंतु इसमें एक ओर जहां लोक-मान्यताओं एवं सांस्कृतिक चेतना की प्रतिध्वनि की भाषा है, घृणा और व्यापार की नहीं। यह वृत्तियों के संस्कार और अभिरुचियों के परिष्कार की भाषा है। यह लोकमंगल की भावना और समन्वय की साधना की भाषा है। यह वैविध्य में सौंदर्य और एकत्व देखने वाली भाषा है। यह मनुष्य का केवल मनुष्य के साथ ही नहीं, अपितु चराचर के साथ तादात्म्य स्थापित कराने वाली भाषा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनेकानेक दुर्लभ विशेषताओं से सुसंपनन तथा विज्ञान एवं तकनीक की दृष्टि से उपयुक्त होने पर भी संस्कृत की घोर उपेक्षा की गई। इसे कालबाह्य, अनुपयोगी, अप्रासंगिक सिद्ध करने की कुचेष्टा की गई। जहां दुनिया इसे ज्ञान-विज्ञान की सबसे प्राचीन भाषा मान उससे सार ग्रहण करती रही, वहीं भारत स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त मैकाले-मार्क्स के मानसपुत्रों ने उसका नाम सुनकर ही नाक-भौं सिकोड़ने का चलन आज तक जारी रखा है। जबकि तथ्य यह है कि बार-बार के शोध एवं अनुसंधान के निष्कर्ष में संस्कृत को कंप्यूटर एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के लिए सर्वाधिक उपयुक्त भाषा बतलाया गया। जैसा लिखा जाता है, ठीक वैसा ही पढ़े और बोले जाने के कारण टाकिंग कंप्यूटर के लिए संस्कृत सबसे सटीक एवं वैज्ञानिक भाषा मानी गई है। स्वर-तंत्री, प्राणवायु, मुखावयव आदि के आधार पर ध्वनियों एवं वर्णों का वैज्ञानिक अनुक्रम, धातु-रचना, शब्द-निर्माण, पदक्रम, पद-लालित्य, वाक्य-विन्यास, अर्थ-विस्तार आदि की दृष्टि से यह अनुपम एवं अद्वितीय भाषा है। संसार की सबसे प्राचीन भाषा में से एक होने के कारण देश-विदेश की अधिकांश भाषाओं में प्रयुक्त एवं प्रचलित शब्दावली के साथ इसकी अद्भुत साम्यता देखने को मिलती है। भारत की अधिकांश बोलियों एवं भाषाओं की जननी होने के कारण यह राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता में अत्यधिक सहायक है। कला, संगीत, साहित्य, संस्कृति, योग, आयुर्वेद, धर्म, दर्शन, नीति और इतिहास से लेकर गणित, विज्ञान, भूगोल, भूगर्भ, खगोल, ज्योतिष आदि तक जीवन और जगत का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जिनमें संस्कृत-ग्रंथों की उपलब्धता एवं विपुलता न हो। संसार की अन्य भाषाओं में जहां किसी वस्तु विशेष के लिए प्रचलित शब्दों के पीछे का तार्किक आधार, कारण एवं प्रयोजन स्पष्ट कर पाना अत्यंत कठिन है, वहीं संस्कृत में गुण-धर्म-अर्थ आदि के आधार पर वस्तुओं के नामकरण का औचित्य सिद्ध किया जा सकता है। इसमें सूत्रों में बात कही जा सकती है। यहां छंदों का अनुशासन है, अराजकता का व्याकरण नहीं। यह लय-सुर-ताल की भाषा है। जहां लय है, वहीं गति है और गति ही जीवन तथा जड़ता ही मृत्यु है। इसलिए संस्कृत जीवन की भाषा और जीवन का मंत्र है। पुणे के डेक्कन कालेज का संस्कृत और लेक्सिकोग्राफी विभाग संस्कृत का एक विश्वकोश तैयार कर रहा है। वर्तमान में 22 शोधार्थियों की एक टोली इस पर अहर्निश काम कर रही है। इनमें वेद, वेदांग, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, धर्मशास्त्र, महाकाव्य, गणित, वास्तुकला, चिकित्सा, पशु चिकित्सा, विज्ञान, कृषि, संगीत, शिलालेख, युद्ध, राजनीति, नाट्यशास्त्र जैसे विषयों से जुड़े शब्दों को सम्मिलित किया गया है। वर्ष 1976 में इस शब्दकोश का प्रथम खंड प्रकाशित किया गया था। अब तक इसके 35 खंड प्रकाशित किए जा चुके हैं। अभी तक इसमें 1.25 लाख शब्द सम्मिलित किए गए हैं। अनुमान है कि शब्दकोश के पूरे होने तक इसमें 20 लाख से अधिक शब्दों को संकलित किया जाएगा, जो आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी से भी बृहत एवं बेहतर होगा। ध्यातव्य हो कि आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अब तक 20 खंड हैं और उसमें 2,91,500 शब्द-प्रविष्टियां हैं। अपनी भाषा, अपनी संस्कृति, अपने साहित्य के प्रति उपेक्षा एवं चिंतनीय उदासीनता वाले इस दौर में संस्कृत को पुनर्जीवित एवं पुनर्प्रतिष्ठित करने का डेक्कन कालेज का यह प्रयास सराहनीय एवं अनुकरणीय है। याद रहे कि जब कोई समाज अपनी भाषा, संस्कृति और ज्ञान-परंपरा को संरक्षित एवं संवर्द्धित करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर खड़ा हो जाता है तो संसार की कोई भी बाधा या शक्ति उसका मार्ग नहीं रोक पाती, न ही मनोबल तोड़ पाती है।

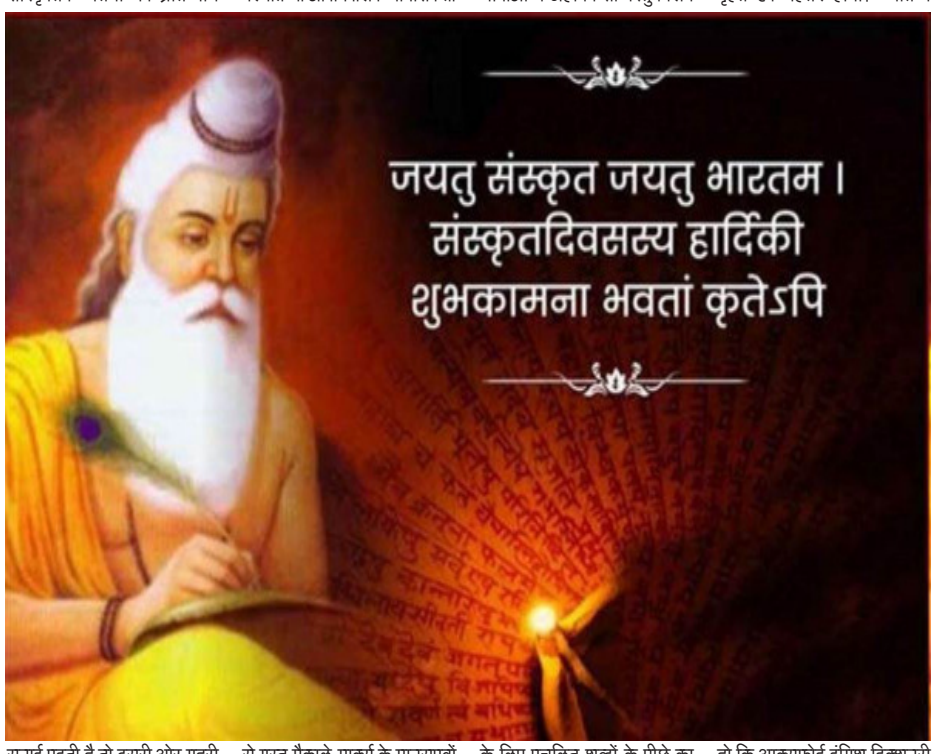

हकीकत बनता हिंदूफोबिया योजनाबद्ध ढंग से करना होगा ऐसे दुष्प्रचार का मुकाबला

हाल में विश्व के कई स्थानों से हिंदुओं एवं हिंदू संगठनों के लिए चिंताजनक समाचार आए हैं। ब्रिटेन के लेस्टर और बर्मिंघम में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा और आक्रामक नारेबाजी के बाद कनाडा में एक मंदिर में हमले की खबर आई। लेस्टर और बर्मिंघम की हिंसा के बाद ब्रिटेन के करीब 180 हिंदू संगठनों ने प्रधानमंत्री लिज ट्रस को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें डर के साये में रहना पड़ रहा है। हिंदुओं के प्रति आक्रामकता और हिंदू संगठनों के प्रति दुराग्रह अमेरिका में भी देखने को मिल रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी हिंदू संगठनों की

विरोधी बनकर सामने आई है। कैलिफोर्निया और न्यू जर्सी में टीनेक डेमोक्रेटिक म्यूनिसिपल कमेटी द्वारा पारित प्रस्ताव में विश्व हिंदू परिषद, सेवा इंटरनेशनल और हिंदू स्वयंसेवक संघ समेत सात संगठनों को फासिस्ट कहा गया है। प्रस्ताव में लिखा है कि ये संगठन नफरत और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत और अमेरिका में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर बाब मेनेंडेज और कोरी बुकर को तो अमेरिका में सक्रिय हिंदू संगठनों की फंडिंग की जांच करने तक को कह दिया गया है। अमेरिका में भारतीयों की स्वतंत्रता दिवस परेड को डेमोक्रेट पार्टी के नेताओं ने आलोचना का शिकार बनाया। परेड में बुलडोजर की आकृति थी। बुलडोजर के बारे में कहा गया कि यह विभाजन का प्रतीक है। बुलडोजर उत्तर प्रदेश में भू-माफिया या अपराधियों की संपत्तियों को ध्वस्त करने के रूप में काफी लोकप्रिय हुआ है और दूसरे राज्यों ने भी इसे अपनाया है, लेकिन इसको लेकर दुनिया भर में संगठित झूठ फैलाया गया है। इसे नरेन्द्र मोदी सरकार, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार तथा संघ के आक्रामक अल्पसंख्यक विरोधी खासकर मुस्लिम विरोधी आचरण का प्रमाण बताया गया है। इससे एक बात स्पष्ट है कि हिंदूफोबिया पहले केवल चर्चा में था, लेकिन विरोधियों ने अपने इकोसिस्टम से इसे हकीकत में बदलने में काफी हद तक कामयाबी पाई है। अमेरिका की एक प्रतिष्ठित शोध संस्था 'नेटवर्क कांटेजियन रिसर्च इंस्टीट्यूट' के सह संस्थापक जोएल फिनकेलस्टीन की मानें तो आने वाले दिनों में अमेरिका, ब्रिटेन सहित दुनिया भर में हिंदू समुदाय के लोगों के खिलाफ नफरत बढ़ने की आशंका है। अमेरिका के बौद्ध सांसद हांक जानसन ने भी हिंदुओं के प्रति नफरत की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि हमें हमारे धर्म, नस्ल तथा पृष्ठभूमि के प्रति नफरत के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। हिंदूफोबिया का इकोसिस्टम एक हद तक सफल होता दिख रहा है। संभवतः कई देशों के नेताओं एवं नागरिकों के एक वर्ग ने इन्हीं दुष्प्रचारों के आधार पर हिंदुत्व, हिंदू संगठन, मोदी सरकार, विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारों, संघ से जुड़े संगठनों आदि के बारे में धारणा बनाई है। अमेरिका के कैलिफोनिया में ऐसी हिंदू महिलाओं पर हमले किए गए, जिन्होंने साड़ी या इसी प्रकार की कोई अन्य पारंपरिक पोशाक पहनी थी, बिंदी लगाई थी और आभूषण धारण कर रखे थे। जाहिर है अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देशों में जिस प्रकार का माहौल भारत, हिंदू और हिंदू संगठनों के विरुद्ध बनाने की कोशिश हुई है, उसका मुकाबला करने के लिए हमें सशक्त तरीके से काम करने की जरूरत है। यह स्थिति एकाएक और अनायास पैदा नहीं हुई है। पिछले कुछ समय से भारत की सत्ता व्यवस्था, माहौल, सत्तारूढ़ पार्टी, संघ परिवार और इससे जुड़े संगठनों आदि को लेकर भारत एवं दुनिया भर में नेताओं, एनजीओ, थिंक टैंकों, मानवाधिकार संगठनों और मीडिया के एक तबके ने जबरदस्त दुष्प्रचार अभियान चलाया है। जिस ढंग से भारत वैश्विक स्तर पर मुखर हुआ है तथा विश्व में भारतीय अपनी सभ्यता, संस्कृति, पहचान आदि के साथ भारत के हित में खुलकर सामने आए हैं तबसे उन पर आक्रामक हमले बढ़े हैं।

गुस्से में दो नंबर की लक्ष्मी को पूजने वालों को दे दिया श्राप

लक्ष्मी जी अभी-अभी देवलोक से धरती पर पधारी थीं। उन्हें जिस नगर में जाना था वहां एक झोपड़ा था, जिसका छप्पर फाड़कर लक्ष्मी मैया को अपने भक्त पर कृपा बरसानी थी, लेकिन काफी देर हवा में विचरण करने के बाद भी झोपड़ा नहीं दिखा तो हैरानी से लक्ष्मी जी के माथे पर बल पड़ गए। हर साल दीवाली पर छप्पर फाड़कर अपने

सच्चे भक्तों के घर जाना महामाया का नियम था। यह नियम वर्षों से चला आ रहा था। हर साल वह कुछ छप्परों पर निशान लगा जाती थीं, ताकि अगले साल वहां कृपा बरसाई जा सके। उस झोपड़े पर भी उन्होंने पिछले साल मार्क लगाया था, लेकिन वह कहीं दिख ही नहीं रहा था। लक्ष्मी जी के साथ उनका वाहन उल्लू भी हैरान था। शहर में इतना अतिक्रमण था कि उसे उतरने की जगह नहीं मिल रही थी। वह काफी देर हवा में फड़फड़ाता रहा। अंततः उसे नीचे नगर निगम का एक नाला दिखा। वह पहचान गया। पिछले साल माता लक्ष्मी ने इसी नाले के सामने वाले झोपड़े पर मार्किंग की थी, लेकिन अब आसपास का पूरा नक्शा बदल चुका था। झोपड़े का कहीं नामोनिशान नहीं था। उसकी जगह एक शानदार कोठी ने ले ली थी। अगर कुछ नहीं बदला था तो वह नाला। जिस शान से वह पिछले साल बजबजा रहा था, उसी शान से इस साल भी। हैरान-परेशान सा उल्लू कोठी की छत पर उतरकर एक तरफ पार्क हो गया। लक्ष्मी जी भी आश्चर्य से चारों ओर देख रही थीं। दीवाली का समय था। चारों तरफ बड़ी-बड़ी कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों की होर्डिंग्स और बैनर लगे थे। जिनमें बंपर छूट के आफर चल रहे थे। एक खरीदो एक मुफ्त पाओ। पलंग के साथ गद्दा, कुर्सी के साथ टेबल, गाड़ी के प्रदूषण, चिमनी के साथ चूल्हा, शैंपू के साथ बाल, माइश्चराइजर के साथ खाल, कोल्हू के साथ बैल, साबुन-सर्फ के साथ मैल मुफ्त। बैंक भी बुला-बुलाकर कर्जा दे रहे थे। आसान शर्तों और किस्तों पर। छोटे लोन के साथ बड़ा सिरदर्द मुफ्त। लक्ष्मी जी गुमसुम-सी कोठी की पक्की कंक्रीट की छत पर खड़ी थीं। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि वहां कभी झोपड़ा भी था। उनकी मनोदशा ताड़कर उल्लू ने गूगल मैप के ग्रैंड फादर से संपर्क किया तो वहां से भी लोकेशन यही बताई गई। यानी उस वर्तमान कोठी के भूतपूर्व झोपड़ा होने में कोई संदेह न था। झोपड़े की जगह कोठी और छप्पर की जगह पक्की सीमेंटेड छत देखकर लक्ष्मी जी और उल्लू पहले ही चकित थे। अचानक एक जगह टूटी छत देख लक्ष्मी मैया चौंक पड़ीं। वह अविलंब वहां पहुंचीं और टूटी छत के छेद से नीचे झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। नीचे कमरे में हूबहू उनकी ही तरह की किसी और देवी की पूजा हो रही थी। लक्ष्मी जी फिर चौंकी। यह कैसे हो सकता है। दीवाली पर तो उनकी पूजा का विधान है। फिर यह दूसरी लक्ष्मी कौन? तभी वहां 'नारायण-नारायण' का जाप करते देवर्षि नारद प्रकट हुए और बोले, माता आप बिल्कुल कौतूहल में न पड़ें। यह दो नंबर की लक्ष्मी है। इसने आपके कई भक्तों को अपने वश में कर लिया है। घर-घर में आजकल इसी की पूजा हो रही है। नारद की बातें सुनकर भगवती लक्ष्मी क्षोभ से भर उठीं। बात सत्य थी। शहर के अनेक घरों में दो नंबर की लक्ष्मी ने ही कब्जा कर रखा था। अब माता के क्रोध की सीमा न रही। उन्होंने क्रोध के अतिरेक में दो नंबर की लक्ष्मी को पूजने वालों को श्राप दे दिया और उल्लू पर बैठकर वापस देवलोक लौट गईं। उनके श्राप के असर से एक सेठ के घर पर आयकर का छापा पड़ गया। एक बिल्डर को ईडी ने बुलवा लिया। एक सरकारी अफसर के खिलाफ सीबीआइ जांच बैठ गई। उसने अपने जैसे और अनेक अफसरों की पोल खोल दी, जिनकी गिनती अब तक जारी है।

उत्सवधर्मिता की अनुपम अभिव्यक्ति, विराट प्रकाश का माध्यम बनना ही मनुष्य होने की सार्थकता है

भारतीय समाज अपने स्वभाव में मूलतः उत्सवधर्मी है। यहां के अधिकांश उत्सव सृष्टि में मनुष्य की सहभागिता को रेखांकित करते दिखते हैं। इस दृष्टि से दीपावली का लोक उत्सव जीवन के हर क्षेत्र, घर-बार, खेत-खलिहान, रोजी-रोटी और व्यापार-व्यवहार सबसे जुड़ा

हुआ है। इस अवसर पर भारतीय गृहस्थ की चिंता होती है घर-बाहर के परिवेश को स्वच्छ करना और निर्मल मन के साथ उत्साहपूर्वक आगामी चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करना। प्रकृति की लय के साथ अपनी लय मिलाते हुए यह त्योहार जीवन में सुख, समृद्धि, उत्साह और गति के उत्सुक स्वागत का अवसर होता है। इसका मुख्य आकर्षण है शक्ति के केंद्र प्रकाश की ऊर्जा से स्वयं को पुष्ट एवं संवर्धित करना। इसी भाव से गांव हो या शहर बच्चे हों या बूढ़े हर जगह हर किसी को प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु के बाद शीत के आरंभ की संधि वेला में दीपावली की आतुरता से प्रतीक्षा रहती है। यह भी अकारण नहीं है कि इस अवधि में उत्सवों की भरमार होती है। यह प्रकृति की सुषमा का ही प्रकटन है कि विजयदशमी से जिस मंगल-यात्रा की शुरुआत होती है, वह पूरे महीने भर चलती रहती है। दीपावली के साथ उसके आगे-पीछे कई उत्सव भी जुड़े होते हैं। इनमें शरद पूर्णिमा (कोजागरी) और करवा चौथ के बाद आती है धनतेरस, जिस दिन धन्वंतरि जयंती भी होती है। इसी क्रम में छोटी दीपावली (नरक चतुर्दशी), काली पूजा (श्यामा पूजा या महा निशा पूजा), गोवर्धन पूजा, भैया दूज (यम द्वितीया) और चित्रगुप्त पूजा (बहीखाते और कलम की पूजा) और छठ की पूजा विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इन उत्सवों को मनाने में पर्याप्त क्षेत्रीय विविधता भी दिखती है और विभिन्न समुदायों की भिन्न भिन्न रुचियां भी परिलक्षित होती हैं। समय के साथ होड़ ले रहे ये सभी त्योहार हमारी जिजीविषा के भी परिचायक हैं। समय के साथ इन्हें मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव आता रहा है। कभी प्रकाश स्रोतों के लिए संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन आज बिजली की महिमा से प्रकाश की कोई कमी नहीं है। हालांकि बिजली से भौतिक स्तर पर हमारी समस्या दूर हो जाती है, परंतु मन, बुद्धि और विचार में जो अंधेरा पलता रहता है उसका समाधान हमें स्वयं करना होता है। मुश्किल तब और बढ़ जाती है, जब मन का अंधेरा हमें अंधेरा ही नहीं लगता। मनुष्य होने का एक अर्थ तो डार्विन महोदय की कृपा से यह समझ में आया है कि धरती पर प्राणियों के उद् विकास (इवोल्यूशन) के क्रम में सुदूर अतीत में कभी हम आज के दुपाए जीव के रूप में पहुंचे। साथ-साथ शरीर की जैविक रचना में परिवर्तन आया और आकार प्रकार भी बदला। मस्तिष्क की जटिलता और आकार भी बदला और एक लंबी छलांग के साथ हम आज के अर्थ में आदमी बन गए। होमो सेपियन होकर हममें सोचने-विचरने की विलक्षण क्षमता आ गई। इस काम में भाषा की उपलब्धि बड़ी मददगार हुई। इससे सोचने वाले दुपाए प्राणी के लिए वर्तमान में रहते हुए सोच-विचार के स्तर पर अतीत ही नहीं, अपितु भविष्य की कल्पना में भी आने-जाने की सुविधा मिल गई। अपनी रचनात्मक बुद्धि के जरिये मनुष्य ने नए प्रयोग शुरू किए। नित्य नई खोज के साथ धरती, पाताल और आकाश हर कहीं मनुष्य अपनी पदचाप छोड़ने लगा। इस उननति का दूसरा पक्ष भी सामने है, जिसके चलते युद्ध, हिंसा, अविश्वास और अतिक्रमण का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। अहंकार की घोर विभीषिका भी असर दिखाती जा रही है, जो सब कुछ लीलने पर आमादा है। पूरी सृष्टि हमारी भोग्य है, यह मानकर दर्प में डूबे मनुष्य को सिर्फ अपना सीमित अस्तित्व ही दिख रहा है। संस्कृति और प्रकृति के बीच एक अनवरत होड़ मच रही है कि किस तरह प्रकृति के साधन और शक्ति का अधिकाधिक दोहन कर संपदा अर्जित की जाए। यही अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का मुख्य मुद्दा बन गया है। भारतीय सोच इस दृष्टिकोण से भिनन रहा है। उसमें मनुष्य इस ब्रह्मांड का केंद्र नहीं है। न ही मनुष्य से इतर सृष्टि अकेले उसका भोग्य ही है। सिर्फ मनुष्य उसका अकेला भोक्ता नहीं है। आत्म या ब्रह्म या परम सत्ता या चैतन्य का विचार हमारे अस्तित्व की विराटता का स्मरण सदैव दिलाता रहता है। वेदांत का मोक्ष, बौद्ध मत का निर्वाण और योग का कैवल्य, ये सभी लक्ष्य मनुष्य जीवन के उद्देश्य के रूप में इसीलिए रखे गए कि अहंकार की तीव्र होती जा रही अंधी भूख पर लगाम लग सके। मनुष्य होने की सार्थकता मनुष्यता के सीमित आवरण वाली पहचान से बाहर निकलकर या कहें अपना अतिक्रमण कर व्यापक मनुष्यत्व को या समग्र जीवन की सत्ता को पहचान सके और आत्मसात कर सके। उसी के आलोक में मनुष्य को अपने कर्तव्य का निश्चय किया जाना चाहिए। शायद दूसरे का हित करना ही सुख की सही कसौटी है। भौतिक शरीर के साथ जुड़े मनुष्य का जीवन अनंत नहीं होता है। उसका उपयोग और सार्थकता इसी में होती है कि उसका समुचित रूप से सदुपयोग हो। छोटे स्वार्थों के अधकचरे घरौंदों को बनाने-संवारने में हम टूटते भी हैं, परंतु अहंकार की ध्वनि और रूप के बीच उसकी आहट अक्सर अनसुनी कर देते हैं। तब कब दबे पांव अंधेरा जीवन में आ जाता है, यह पता ही नहीं चलता। हमारे जीवन का क्रम भी आज ऐसा ही बना जा रहा है। काल का पहिया बिना रुके घूमता रहता है। दिन और रात के क्रम के साथ प्रकाश और अंधकार का अनुक्रम भी सदैव लगा रहता है। यानी दिन के प्रकाश से मिलने वाला आश्रय और संतोष नित्य नहीं रहने वाला है। सजग और सतर्क ढंग से अंधकार से जूझने के लिए सतत तैयार रहना जरूरी है। अस्तित्व और विश्व के प्रति हमारी दृष्टि ही जीवन-संग्राम का पाथेय होती है। विवेक कहता है कि विराट अस्तित्व के साथ जुड़ना जरूरी और कल्याणकारी है। इस जरूरत को पहचानना होगा

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में चक्रवाती तूफान से 9 की मौत, निचला इलाका जलमगन

ढाका। बांग्लादेश तट पर मंगलवार को चक्रवाती तूफान ने दस्तक दे दी। इससे यहां 9 लोगों की मौत हो गई। तूफान इतना शक्तिशाली था कि पेड़ उखड़ गए, कई मकान ढह गए, सड़कें ध्वस्त हो गई। यहां तक कि संचार नेटवर्क भी क्षतिग्रस्त हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। चक्रवाती तूफान सितरंग के कारण पश्चिमी तट पर भूस्खलन हुआ। गनीमत है कि इससे पहले यहां से लोगों को निकाल लिया गया था। चक्रवात सितरंग बंगाल की खाड़ी से शुरू हुई। तेज तूफान सितरंग के कारण 88 की तेजी के साथ हवा चल रही थी। पेड़ों के गिरने से अधिकांश लोगों की जान चली गई। दक्षिणपूर्व बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में किसी तरह की बड़ी क्षति की खबर नहीं है। बता दें कि इन शिविरों में बड़ी संख्या में रोहिंग्या शरणार्थी है जो पड़ोसी देश म्यांमार से यहां आएं है। बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों को तूफान को देखते हुए एहतियातन शिविरों के भीतर ही रहने की सलाह जारी की गई थी। राजधानी की सड़कों पर भारी बारिश हुई जिसके कारण पूरे इलाके में बाढ़ के हालात बन गए। आवागमन में परेशानी हुई। इस तूफान से पश्चिम बंगाल के पूर्वी इलाके भी नहीं बचे। पिछले कुछ सालों से मौसम के कारण दक्षिण एशिया में व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ है। पर्यावरणविदों ने चेताया कि जलवायु परिवर्तन से यहां अधिक क्षति होगी, विशेषकर बांग्लादेश के जनसंख्या बहुल इलाकों में इसका काफी असर होगा। के बांग्लादेश निदेशक फराह कबीर ने बताया कि साल 2022 में जलवायु परिवर्तन को लेकर आपात स्थितियां जैसे बाढ़ व सूखा के कारण व्यापक स्तर पर खराब हालात दिखे।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र आवास राशि आवंटन में भेदभाव बंद करें सरकार- प्रिया द्विवेदी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। ग्रामीण क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा संचालित अत्याधिक महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का समुचित लाभ देने में सरकार शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीणों के साथ भेदभाव कर रही है उक्त आरोप जनपद पंचायत मैहर की जैव विविधता प्रबंधन सभापति प्रिया प्रभात द्विवेदी ने लगाते हुए आवंटन राशियों में सुधार करने की मांग की है श्रीमती द्विवेदी ने कहा कि देश मे प्रधानमंत्री जी आवास योजना के नाम पर सरकार की सफलता की कहानी गडते हैं क्या यह बताएंगे वो की असली भारत गांव में बसता है फिर भी शहरी क्षेत्र राशि आवंटन करने के मामले में प्राथमिकता के आधार पर राशि ढाई लाख रुपए और ग्रामीण क्षेत्र में मात्र ?130000 क्या यह उचित है इस प्रकार भेदभाव क्यों संसाधनों की बात करें तो तकनीकी बात करें तो

शहर की अपेक्षा ग्रामीणों में उपलब्धता का आभाव और ज्यादा है शहरी क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र में राशि ज्यादा होनी चाहिए तो वहां इतनी कम राशि भेदभाव कर रही है सरकार।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, मंदी पर बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में मंदी को देखते हुए शनिवार को कहा कि भारत दुनिया को प्रगति के पथ पर चलने के लिए नई दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में मंदी है। विश्व जीडीपी विकास दर घट रही है।दुनिया को नई दिशा दिखा रहा है भारत' गोयल ने कहा, 'आज कई देशों में मुद्रास्फीति 10 प्रतिशत से अधिक है। कई देशों में सरकारें कुछ दिनों में बार-बार बदल रही हैं। ऐसे में भारत दुनिया को प्रगति के पथ पर चलने के लिए नई दिशा दिखा रहा है। मुझे लगता है कि पीएम मोदी के निर्णायक नेतृत्व में

भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।'गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'रोजगार मेला' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक पहल बताया। सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा, 'आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रोजगार के मामले में एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की गई। पात्र लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। देश भर के 75,000 युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में नौकरी प्रदान की गई। 10 लाख लोगों को प्रदान किया जाएगा। एक साल के भीतर नौकरियां। देश का नेतृत्व युवा करेंगे। रोजगार मेला के दौरान, 75,000 नवनियुक्त नियुक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने और नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरएसएस के नेता इंद्रेश कुमार ने हजरत निजामुद्दीन दरगाह में जलाये दीये

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने शनिवार को नई दिल्ली में स्थित हजरत निजामुद्दीन दरगाह का दौरा किया। इस दौरान इंद्रेश कुमार ने दिवाली से पहले दरगाह परिसर के अंदर मिट्टी के दीये भी जलाए। साथ ही आरएसएस की मुस्लिम शाखा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने देश में शांति और समृद्धि का आह्वान किए धार्मिक मतभेदों को मिटाती है दिवाली- इंद्रेश कुमार दरअसल, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक और आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार का निजामुद्दीन दरगाह परिसर के अंदर 'मिट्टी के दीये' जलाना, देश में शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता है। आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने कहा कि दीपावली का त्योहार भारत सहित दुनिया में मनाया जाता

है। यह हर घर में सुख और समृद्धि लाता है। यह त्योहार सभी धार्मिक मतभेदों और प्रांतों के बीच के मतभेदों को मिटा देता है।उन्होंने आगे कहा कि भारत देश तीर्थों, त्योहारों और मेलों की भूमि है। उन्होंने कहा कि हर त्योहार हमें सिखाता है कि हमें कट्टरता, द्वेष, नफरत, दंगे या युद्ध नहीं चाहिए। हम शांति, सद्भाव और भाईचारा चाहते हैं। किसी को भी धर्म परिवर्तन और हिंसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। सभी को अपने धर्म और जाति का पालन करना चाहिए। दूसरे धर्मों की आलोचना और अपमान करने से बचें साथ ही इंद्रेश कुमार ने कहा कि दूसरे के धर्मों की आलोचना और अपमान न करें। जब देश में सभी धर्मों का सम्मान किया जाएगा, तो देश पत्थर बनाने वाले कट्टरपंथियों से मुक्त होगा। शुक्रवार को पथराव।

खुफिया एजेंसियों की विफलता है, सीएम स्टालिन इसे स्वीकार करें- तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोयंबटूर। कोयंबटूर सिलेंडर विस्फोट को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सरकार पर सवाल उठाया है। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अननमलाई ने दावा किया कि यह एक आतंकी हमला था। कोयंबटूर सिलेंडर ब्लास्ट एक आतंकी कृत्य है' अननमलाई ने ट्विटर पर कहा, ''कोयंबटूर सिलेंडर विस्फोट 'सिलेंडर विस्फोट' नहीं है। यह आइएसआइएस लिंक के साथ एक स्पष्ट आतंकी कृत्य है। क्या मुख्यमंत्री एम के स्टालिन खुलकर सामने आएंगे और इसे स्वीकार करेंगे सरकार इस जानकारी को 12 घंटे से छिपा रही है। क्या यह राज्य की खुफिया मशीनरी और द्रमुक सरकार की स्पष्ट विफलता नहीं है?''तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि राज्य में कुछ आतंकी तत्व सक्रिय हैं। इस हमले की योजना के दौरान मारे गए आरोपियों के आइएसआइएस से स्पष्ट संबंध थे और उन्हें देश के बाहर से संभाला गया था। फिर भी, कुछ तत्व तमिलनाडु की मिट्टी में सक्रिय हैं। सीएम स्टालिन, कृपया बाहर आएं और अपनी विफलता को स्वीकार करें।' कोयंबटूर के उक्कड़म में रविवार तड़के एक सिलेंडर विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान उक्कदम निवासी जेम्सा मुबीन के रूप में हुई है। इस बीच, डीजीपी सिलेंद्र बाबू, एडीजीपी थमराय कनन्न, इंटेलिजेंस आईजी सेंथिल वेलन, और विशेष जांच विभाग के एसपी स्टीफन जेसुपथम चेनई से कोयंबटूर पहुंचे और मौके पर जांच की। डीजीपी सिलेंद्र बाबू ने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है और जांच जारी है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा, उक्कदम के कोट्टाइमेडु इलाके में जेम्सा मुबिन के आवास की तलाशी के दौरान, हमें पोटेशियम नाइट्रेट, एल्यूमीनियम, सल्फर जैसे रसायन मिले हैं, जिनका इस्तेमाल कच्चे बम बनाने के लिए किया जाता है। हमने उस जगह से कील और बाल बेयरिंग भी बरामद की है, जहां विस्फोट हुआ था। डीजीपी ने कहा, 'मृतक किसी भी पहचान उक्कदम निवासी जेम्सा मुबीन के रूप में हुई है। इस बीच, डीजीपी सिलेंद्र बाबू, एडीजीपी थमराय कनन्न, इंटेलिजेंस आईजी सेंथिल वेलन, और विशेष जांच विभाग के एसपी स्टीफन जेसुपथम चेनई से कोयंबटूर पहुंचे और मौके

पर जांच की। डीजीपी सिलेंद्र बाबू ने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है और जांच जारी है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा, उक्कदम के कोट्टाइमेडु इलाके में जेम्सा मुबिन के आवास की तलाशी के दौरान, हमें पोटेशियम नाइट्रेट, एल्यूमीनियम, सल्फर जैसे रसायन मिले हैं, जिनका इस्तेमाल कच्चे बम बनाने के लिए किया जाता है। हमने उस जगह से कील और बाल बेयरिंग भी बरामद की है, जहां विस्फोट हुआ था। डीजीपी ने कहा, 'मृतक किसी भी संगठन से संबद्ध नहीं है। उसके खिलाफ कोई मामला नहीं है, लेकिन एनआइए के रडार पर उसके कुछ लोगों के साथ संबंध है। हमने सिलेंडर और कार के स्रोत की पहचान कर ली है। यह आत्मघाती हमला नहीं हो सकता। हम उसकी काल हिस्ट्री देख रहे हैं और उन लोगों से पूछताछ कर रहे हैं जो उसके संपर्क में थे।' उन्होंने आगे कहा कि अभी तक राष्ट्रीय जांच दल की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि जांच सही रास्ते पर चल रही है। उक्कदम मुस्लिम बहुल आबादी वाला संवेदनशील इलाका है। चूंकि यह धमाका उक्कदम के प्रसिद्ध मंदिर के पास हुआ, इसलिए 'कोट्टई ईश्वरन मंदिर' पुलिस हाई अलर्ट पर है और दिवाली को देखते हुए कोयंबटूर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मदद की गुहार लगाने पहुंची महिला को बीजेपी मंत्री ने जड़ा थप्पड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

चामराजनगर (कटका)। कर्नाटक के आवास मंत्री वी सोमनन यहां गुंडलूपेट के एक गांव में एक महिला को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के मामले में विवादों में घिर गए हैं। बता दें कि महिला अपनी शिकायत को हल करने के लिए एक याचिका लेकर उनके पास गई थी। वहीं, मंत्री ने अभी तक इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन महिला ने कहा कि सोमनन उसे सांत्वना दे रहे थे जब उसने उसे एक सरकारी भूखंड आवंटित करने के लिए उसके सामने साष्टांग प्रणाम करने की कोशिश की थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार चामराजनगर के जिला प्रभारी मंत्री सोमनन गुंडलूपेट के हंगला गांव गए थे और एक संपत्ति दस्तावेज वितरण समारोह में हिस्सा ले रहे थे। संपत्ति के दस्तावेज भूमिहीन लोगों को दिए गए जो

आवासीय उद्देश्यों के लिए सरकारी भूमि पर कब्जा कर रहे थे, लेकिन अब तक इसका कोई स्वामित्व हासिल नहीं किया था समारोह के दौरान, वायरल वीडियो में कथित तौर पर एक महिला को मंत्री के पास एक भूखंड आवंटित करने की गुहार लगाते हुए दिखाया गया था। अनियंत्रित भीड़ के कारण धक्का लगने पर मंत्री नाराज हो गए और महिला को थप्पड़ मार दिया हालांकि, मंत्री के कार्यालय ने एक वीडियो साझा किया जिसमें महिला ने कहा कि उसने केवल एक भूखंड देने की गुहार लगाई क्योंकि वह बहुत गरीब थी।अपने बच्चों के साथ महिला ने वीडियो में कहा, मैंने उनके चरणों में प्रणाम किया और मंत्री ने मुझे सांत्वना देते हुए उठाया कि वह मेरी मदद करेंगे लेकिन यह प्रचारित किया गया कि उन्होंने मुझे पीटा कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने मंत्री के कथित आचरण के लिए उनकी आलोचना की।रमेश ने ट्वीट किया, राहुल गांधी ने जिस तरह से 30 सितंबर को उसी गुंडलूपेट से भारत जोड़ो यात्रा के कर्नाटक चरण की शुरुआत की, उससे क्या फर्क पड़ता है! इस बेशर्म आदमी को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए।

किसान फसलों के बचाव हेतु बीज शोधन एवं भूमि शोधन अवश्य करायें-जिला कृषि रक्षा अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिला कृषि रक्षा अधिकारी डा0 अश्विनी कुमार सिंह ने बताया है कि फसलों को प्रतिवर्ष होने वाली क्षति महामारी का रूप ले लेती है और इनके प्रकोप से शत प्रतिशत फसल नष्ट हो जाती है। फसलों में रोग बीज, मृदा, वायु के कारक भूमि में पाये जाते है जो फसलों को विभिन्न प्रकार से क्षति पहुँचाते हैं, प्रमुख रूप से दीमक, सफेद गिडार, कटवर्म, सूत्रकृमि,

खरपतवारों एवं रोगों, कीटों तथा चूहों आदि से 15 से 20 प्रतिशत की क्षति होती है अतः इनसे बचाव जरूरी है। इस तरह 33 प्रतिशत खरपतवार, 26 प्रतिशत रोगों, 20 प्रतिशत कीटा,7 प्रतिशत भण्डारण के कीटों, 6 प्रतिशत चूहों तथा 8 प्रतिशत अन्य कारक सम्मिलित है। खरपतवारों के बाद सबसे अधिक क्षति रोगों द्वारा होती है। रोगों से तथा कीटों द्वारा फैलते है। बीज जनित/भूमि जनित रोगों से आगामी बोयी जाने वाली फसलों के बचाव हेतु बीज शोधन का अत्यधिक महत्व है। बीज शोधन द्वारा फसल की रोगों से सुरक्षा कर अधिक पैदावार ली जा सकती है जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। इसी प्रकार अनेक प्रमुख कीटों की प्रावस्थाए व भूमि जनित रोगों लेपीडाप्टेरस आदि अनेक कीटों तथा फफूँदी/जीवाणु/रोगों के भी भूमि जनित कारक प्रावस्थाए भूमि की संरचना के अनुरूप मिट्टी में पाये जाते है जो अनुकूल परिस्थितियों में पौधे की विभिन्न प्रावस्थाओं को सवंमित कर फसल उत्पादन में बाधक बन हानि पहुँचाते है। इस कीट व्याधियों की रोकथाम हेतु कृषि रक्षा रसायनों का आवश्यकतानुसार प्रयोग करना पड़ता है, फलस्वरूप अधिक व्यय हो जाने के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि होती है, बीज बौने व पौधरोपण के पूर्व समय से संस्तुत कृषि रक्षा रसायनों तथा जैविक रसायनों से भूमि शोधन द्वारा कीट/रोगों की सम्भावित क्षति प्रारम्भ में ही रोककर स्वस्थ्य फसल से भरपूर गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राप्त होगा, फलतः उत्पादन लागत भी कम होगी। उन्होने कृषक भाइ्यों से अनुरोध है किया है कि बीज शोधन/भूमि शोधन के महत्वपूर्ण कार्य के प्रति विशेष ध्यान दें ताकि आशातीत लाभ प्राप्त किया जा सके। किसान भाई अपनी फसल के बचाव हेतु सम्भावित कीट/रोग के लगने की दशा में फसल/पौधों के फोटो के साथ विभागीय पीसीएसआरएस मोबाइल नम्बर 9452247111 एवं 9452257111 पर व्हाट्सएप अथवा टेक्सट मैसेज के माध्यम से शिकायत कर सकते है। किसान भाइ्यों को समस्या लिखते समय अपना पूरा नाम व पता भी अंकित करना होगा। समस्या का समाधान 48 घंटे के भीतर कर दिया जायेगा। किसान भाई कृषि रक्षा रसायन के माध्यम से कीट/रोग से अपनी फसल के बचाव/उपचार कराते हुये अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते है।

पाकिस्तान के परमाणु हथियार वैश्विक शक्तियों के लिए चिंता का विषय

वाशिंगटन। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों ने वैश्विक चिंताओं को जन्म दे दिया है। बता दें कि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के कारण कभी भी आतंकवादी संगठन परमाणु हथियारों को अपने कब्जे में ले सकते है, जिससे पुरी दुनिया में खतरा बढ़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने

एक डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी रिसेप्शन में पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया था। उन्होंने पाकिस्तान के अलावा चीन और रूस की भी आलोचना की थी।ग्लोबल स्ट्रैट व्यू की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उसके विभिन्न संगठनों और जिहादी समूहों के हाथों परमाणु हथियारों का लगने का खतरा बना हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत से उत्साहित पाकिस्तान के जिहादी भी परमाणु हथियारों पर कब्जा करने की कोशिशें कर सकते है। लंदन स्थित एक पाकिस्तानी पत्रकार फारूक सुलेहरिया ने कहा,पाकिस्तानी सेना का तालिबानीकरण एक ऐसी चीज है जिसे हम नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। क्या होगा अगर तालिबान परमाणु संपत्ति का आंतरिक अधिग्रहण करता है विशेषज्ञों और अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर अपनी कई बार चिंता व्यक्त की है। हार्वर्ड परमाणु विशेषज्ञ, ग्राहम एलिसन ने कहा था कि ठजब आप सामूहिक विनाश और आतंकवाद के हथियारों का नक्शा बनाते है, तो सभी सड़कें पाकिस्तान में मिलती है।उन्होंने ये बात सामूहिक विनाश प्रसार और आतंकवाद के हथियारों की रोकथाम पर अमेरिकी आयोग में बैठक के दौरान कहीं थी। ग्लोबल स्ट्रैट व्यू की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल भी पड़ोसी देश पाकिस्तान के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

दुनिया के किन-किन मुल्कों में रहती है दिवाली की धूम, रोशनी के पर्व को मनाने का अलग-अलग है ढंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पूरे भारत में आज दिवाली का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। देश के कोने-कोने में इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखा जा सकता है। यह पर्व भारत में नहीं दुनिया के कई मुल्कों में

मनाया जाता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताते है कि दुनिया के किन मुल्कों में इस त्योहार को धूमधाम से मनाया जाता है। इसके साथ यह भी बताएंगे कि इस पर्व को उस मुल्क में किस नाम से जाना जाता है। अन्य मुल्कों में इसे मनाने की क्या विधि है। भारत के पड़ोसी मुल्क नेपाल में बड़ी तादाद में हिंदू आबादी रहती है। इसलिए नेपाल में दिवाली के पर्व का बड़ा महत्व है। नेपाल में इस पर्व को तिहाड़ के नाम से जाना जाता है। हालांकि, नेपाल का मुख्य त्योहार दशाली है। इसके बाद नेपाल का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार दिवाली यानी तिहाड़ है। इस पर्व को नेपाल के अधिकतर हिस्सों में दिवाली को लोग अपने तरीके और रीति-रिवाजों के साथ मनाते हैं। इस पर्व को लेकर लोगों में बड़ा उत्साह रहता हैं। भारत के पड़ोसी मुल्क मलेशिया में दिवाली पर्व को धूमधाम से मनाया जाता है। मलेशिया में इस पर्व को भारत के अंदाज में ही मनाया जाता है। इस मुल्क में दिवाली को अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। इस पर्व पर ऐसी मान्यता है कि मलेशिया में दिवाली का जश्न मनाने वाले दिन की शुरुआत तेल से स्नान करके करते हैं। इसके बाद लोग मंदिरों में जाकर पूजा-पाठ करते है। भारत की तरह इस देश में भी पटाखों का चलन है। मलेशिया में भारत की तरह मिठाई और संदेशों के जरिए भी इसको मनाते है। भारत की तरह फिजी में भी हिंदुओं की एक बड़ी आबादी रहती है। इस देश में भारतीयों की बड़ी तादाद रहती है। इसके चलते इस देश में हिंदू पर्वों को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। खास बात यह है कि हिंदी को आधिकारिक भाषा माना जाता है। भारत की तरह ही फिजी में भी दिवाली को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है।

ऋषभ शेट्टी की कांतारा ने कई बड़ी फिल्मों को चटाई धूल, कमाए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कनन्ड़ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा हर बीते दिन के साथ बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बना रही है। ये फिल्म लोग ही नहीं बल्कि बॉलीवुड कलाकारों के भी पसंद आ रही है।

कांतारा दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर सरपट दौड़ रही है और कांतारा हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। कांतारा ने 10 दिनों में कमाई 20 करो ़समाचार वेबसाइट इंडिया टुडे की खबर के अनुसार, कांतारा ने रविवार को इंडिया-पाकिस्तानी का मैच होने के बाबजूद भी बॉक्स ऑफिस पर 10वें दिन शानदार प्रदर्शन किया है। 20 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। ट्रेंड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, कांतारा ने हिंदी बेल्ट में इस फेस्टिवल वीकेंड पर कमाई के मामले में शानदार कलेक्शन करते हुए शुक्रवार को 2.05 करोड़, शनिवार को 2.55 करोड़ की कमाई करते हुए 19.60 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है और अब फिल्म ने रविवार फिल्म से कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों के पीछे छोड़ दिया है। कनन्ड़ भाषा में बनी ये फिल्म सबसे पहले 30 सितंबर, 2022 को कनन्ड़ में रिलीज हुई थी, जहां फिल्म में अपनी कमाई से सभी को हैरान कर दिया है। इसके बाद मेकर्स ने अपनी इस फिल्म को 14 अक्टूबर को हिंदी बेल्ट के दर्शकों के लिए रिलीज किया और फिल्म ने पहले 1.27 करोड़ की कमाई की, जो कई साउथ की हिंदी भाषा में रिलीज हुई फिल्मों से ज्यादा थी। और इसके बाद कांतारा का जादू हिंदी बेल्ट के दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है और यही वजह है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार झंडे गाड़ रही है। ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित और अभिनीत कांतारा की कहानी कर्नाटक के तटीय गांव में रहने वाले निवासी की लोककथा पर बेस्ड है, जो एक राजा के परिवार, दैव और गुलिका के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में ऋषभ ने कंबाला चैंपियन शिवा का किरदार निभाया है। बता दें इस फिल्म का निर्माण केजीएफ जैसी बड़ी फिल्म बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस होंबले फिल्म्स के बैनर तले किया गया है।

दिवाली पार्टी में बॉयफ्रेंड संग रोमांटिक हुई सुजैन खान मीडिया के सामने किया किस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी को पिछले काफी समय से डेट कर रही हैं। दोनों की लव स्टोरी के चर्चे फिल्मी गलियारों में काफी फेमस है। दिवाली के मौके पर यह कपल लगातार फिल्मी सितारों की पार्टीज में स्टॉप किया जा रहा है। रविवार को दोनों अभिनेता कृष्ण कुमार की पार्टी में शामिल हुए थे। वहीं अब इनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमे दोनों रोमांटिक होते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में देख सकते हैं कि सुजैन और अर्सलान कृष्ण कुमार की पार्टी से बाहर निकलते हैं और मीडिया के सामने अर्सलान गर्लफ्रेंड सुजैन खान के बालों को संवारते नजर आते हैं, फिर सुजैन खान उन्हें किस कर लेती हैं, जिसके बाद गोनी भी उन्हें किस करते हैं। इस वीडियो को सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने

इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। दोनों की ये वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही इस पर लोगों के रिएक्शन आने लगे। नेटिजन्स ने उनके एक्स हसबैंड ऋतिक तक को याद कर लिया। इस दौरान अदाकारा ब्राउन कलर के सूट में देखा जा रहा है। तो वहीं, अर्सलान गोनी ब्लैक कलर के कुर्ता-पजामा में नजर आ रहे हैं। सुजैन खान ने साल 2000 में ऋतिक रोशन से शादी रचाई थी। सुजैन खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे चेहते कपल माने जाते थे। दोनों का रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया। साल 2013 में दोनों ने तलाक ले लिया। हालांकि, दोनों ही अपने बच्चों की वजह से दोस्ती का रिश्ता साझा करते हैं। दोनों अपनी अपनी लाइफ में आगे निकल चुके हैं। एक तरह जहां सुजैन अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं तो वहीं ऋतिक सबा आजाद को डेट कर रहे हैं।

करण जौहर की होस्टिंग देख यूजर्स ने लगाई लताड़, बोले- बाहर करो इसको

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कंट्रोवर्शियल रिएलिटी शो बिग बॉस 16 में शुक्रवार का वार धमाकेदार रहा। निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने घरवालों की क्लास लगाई। निम्रित कौर आहलुवालिया के साथ कैप्टेंसी पर हुई उनकी बहस हुई, तो कुछ के

साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई। मेकर्स को उम्मीद रही होगी कि सलमान खान की जगह करण जौहर की होस्टिंग भी दर्शकों को पसंद आएगी। लेकिन, फैंस के मिल रहे रिएक्शन से लगता है कि वह करण जौहर की होस्टिंग से खुश नहीं हैं और सलमान खान को वापस चाहते हैं।डेंगू से पीडित होने की वजह से सलमान खान 'वीकेंड का वार' को होस्ट नहीं कर पाए और उनकी जगह करण जौहर को होस्ट करना पड़ा। लेकिन दर्शकों को करण जौहर की जजमेंट पसंद नहीं आ रही करण पर पक्षपात होने का लगा आरोप दरअसल, हाल ही में ऑनएयर हुए एपिसोड में देखा गया कि करण जौहर ने गौरी और अर्चना के बीच हुई लड़ाई को लेकर अपनी टिप्पणी दी। लेकिन उन्होंने जिस तरह से जजमेंट की, वह फैंस को पसंद नहीं आई। सोशल मीडिया पर उन्हें इसी बात को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। बिग बॉस लवर्स ने उन पर पक्षपात होने का आरोप लगाते हुए शो से बाहर किए जाने की मांग की है।एक यूजर ने लिखा, 'गौरी और अर्चना दोनों ही समान रूप से बकवास कर रही थीं, अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रही थीं। करण जौहर को पूरा एपिसोड देखना चाहिए था। गलती दोनों की थी।' तो वहीं. दूसरे यूजर ने लिखा, 'करण जौहर पूरी तरह से पक्षपात हैं। मान्या सिंह को सलाम जिन्होंने अपना प्वाइंट ऑफ व्यू नहीं बदला। अब मेकर्स एमसी स्टैन और शिव ठाकरे को विलेन बना कर दिखा रहे हैं, क्योंकि उनकी बहुएं साइडलाइन हो जा रही हैं। एमसी स्टैन बहुत उम्दा खेल रहे हैं। एक और यूजर ने करण जौहर की होस्टिंग में कमी निकालते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। लिखा गया 'करण जौहर 'वीकेंड का वार' पर इतने पक्षपाती हैं और यह कलर्स के मेकर्स स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। वह कुछ प्रतियोगियों के खराब व्यवहार को सही ठहराते हैं और अन्य को बोलने नहीं देते। फिर से एकतरफा।

गुरु रंधावा संग डांस करती नजर आई शहनाज गिल फैंस बोले- पंजाब की ताकत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शहनाज गिल (एपर्फ्ही उग्त्त) रविवार रात फिल्म प्रोड्यूसर और एक्टर कृष्ण कुमार की दिवाली पार्टी में पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने काफी मस्ती भी की। बिग बॉस शो से पॉपुलर हुई शहनाज गिल ने इस पार्टी में

अलग अंदाज में दिखी। शहनाज गिल प्लुजिंग नेक लाइन ब्लाउज के साथ घाघरा स्टाइल स्कर्ट में क्लासी लुक में दिखीं। इस ड्रेस के साथ शहनाज ने स्टोन ज्वैलरी को टिम अप किया। इसी बीच इस पार्टी की कुछ इनसाइड तस्वीरे और वीडियो सामने आ रहे हैं। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमे शहनाज गिल पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के साथ डांस करती नजर आ रही है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कैसे शहनाज और गुरु एक-दूसरे का हाथ थामे बहुत ही प्यार से डांस कर रहे हैं। इस दौरान दोनों के बीच केमिस्ट्री भी देखते ही बन रही है। वीडियो पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, पंजाबियों की बैटरी चार्ज रहनी दी है। दूसरे यूजर ने लिखा एक फ्रेम में दो पंजाबी अब बनी बात। दूसरे यूजर लिखते हैं, 'शहनाज और गुरु साथ में कितने प्यारे लग रहे हैं। शहनाज हमेशा की तरह अपने पूरे लुक में बहुत प्यारी नजर आ रही हैं। शहनाज गिल अपनी क्यूटनेस और मस्ती के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस जल्द सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास साजिद नाडियाडवाला की फिल्म में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम, नोरा फेतही, शहनाज गिल और रितेशल देशमुख हैं।

दिवाली पर मेकर्स का बोनस ऑफर, एडवांस बुकिंग पर दर्शकों को मिल रही बंपर छूट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 'दृश्यम' की सुपर सक्सेस के बाद अजय देवगन फिल्म

का दूसरा इंस्टॉलमेंट 'दृश्यम 2' लेकर हाजिर हैं। करीब 7 साल बाद फिर से विजय सलगांवकर का केस खुलेगा, जिसका सच जानने के लिए अक्षय खनन तह तक जा कर तहकीकात करते नजर आएंगे। तब्बू, श्रिया सारन और इशिता दत्ता भी पर्दे पर नजर आएंगी। मैं कसने फिल्म का ट्रेलर पहले ही जारी कर दिया था, जिसे बहुत ही अच्छा रिस्पांस मिला है। अब फिल्म को लेकर एक और खुशखबरी सामने आई है। टिकट बुकिंग पर 50 प्रतिशत छूट का था ऑफर कुछ दिन पहले मेकर्स ने घोषणा की थी कि, जो दर्शक 2 अक्टूबर को फिल्म की टिकट बुकिंग करेंगे उन्हें 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने इस संबंध में जानकारी भी शेयर की थी। अब मेकर्स ने दूसरी खुशखबरी भी दी है। मेकर्स ने शेयर की दूसरी खुशखबरी तरण आदर्श के शेयर किए गए ट्वीट के मुताबिक, दिवाली के मौके पर दृश्यम 2 की टिकट बुकिंग करने पर 25ज्ञ् की छूट मिलेगी। उन्होंने लिखा, 'टीम क्ष्अेर्फ्स्2 ने दिवाली के मौके पर स्पेशल ऑफर अनाउंस किया है। 24 और 25 अक्टूबर को टिकट बुकिंग करने पर 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह ऑफिशल अनाउंसमेंट है।' एडवांस बुकिंग करने वालों के लिए खास मौका हो सकता है।

दिवाली पार्टी में कटरीना-विक्की के लुक ने लूटी महफिल, सोशल मीडिया पर छाया रॉयल कपल का आउटफिट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड में दिवाली त्योहार का मजा धूमधाम से लिया जा रहा है। सेलेब्रिटीज एक के

बाद पार्टी अटेंड कर रहे हैं, जिसमें वह कई अलग-अलग ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना, कृति सेनन, मनीष मल्होत्रा ने स्टार स्टडेड ग्रैंड दिवाली पार्टी का आयोजन किया, जिसमें सज धज कर कई सितारे पहुंचे। इन सबमें नई नवेली दुल्हन कटरीना कैफ के दिवाली आउटफिट्स पर नजर सबसे ज्यादा रही। शादी के बाद यह कटरीना-विक्की की पहली दिवाली है। ऐसे में लोग उन्हें इस फेस्टिव सीजन साथ देखने के लिए और ज्यादा बेताब हो गए। बीते कुछ दिनों में कटरीना के इंडियन अटायर ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिया। वह अधिकतर साड़ी में ही नजर आईं। हर तरफ उनके लुक की चर्चा है। सोशल मीडिया पर भी महिलाओं के बीच उनका स्टाइल स्टेटमेंट चर्चा में बना हुआ है। वहीं, अब कटरीना का एक और दिवाली लुक सुखिर्यां बटोर रहा है। रविवार को बी टाउन सेलेब्स ने एक और दिवाली पार्टी अटेंड की, जिसमें कटरीना, विक्की कौशल के साथ ट्विनिंग करते हुए ब्लैक आउटफिट में नजर आईं। कटरीना नेट में ब्लैक साड़ी पहनकर कैमरे के सामने आईं, तो वहीं विक्की कौशल इसी रंग के आउटफिट में दिखे। दोनों ने कैमरे के साथ कई पोज दिए। इस रॉयल कपल ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें शेयर की हैं। कटरीना ने साड़ी में अपने लुक को मॉर्डन टच देने के लिए स्लीवलेस डीप नेट ब्लाउज पहना। टचअप के नाम पर हल्का सा मेकअप, बड़ी इय्यररिंग्स और पिंक लिपस्टिक लगाई। वहीं, विक्की कौशल काले रंग का कुरता पहने नजर आए। वर्क फ्रंट की बात करें, तो कटरीना फिल्म फोन बूथ के लिए काम कर रहीं हैं। यह फिल्म अप्रैल, 2023 में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर कुछ क्लिप्स सामने आए हैं। वहीं, विक्की कौशल 'सैम बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

एक्स बॉयफ्रेंड शिखर पहाडिया के साथ स्पॉट हुई जाह्नवी कपूर, शुरू हुई डेटिंग की चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड की धड़क गर्ल

जाह्नवी कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। इन दिनों एक तरह जहां एक्ट्रेस अपनी आने वाली नई फिल्म मिली को लेकर काफी छाई हुई है तो वहीं दूसरी ओर अपने कथित एक्स बॉयफ्रेंड को लेकर सुखिर्यों में आ गई ह जाह्नवी कपूर पहली बार अपने कथित एक्स बॉयफ्रेंड शिखर पहाडिया के साथ नजर आ रही हैं। वायरल वीडियो में जाह्नवी पिंक रंग के सूट में किसी रेस्टोरेंट्स से बाहर निकलती दिख रही हैं। इस दौरान वह मौके पर मौजूद पैपराजी को देख मुस्कुराते हुए कार में जाकर बैठ जाती हैं, जहां उनके एक्स बॉयफ्रेंड शिखर पहले से ही ड्राइविंग सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने पपराजी को कोई पोज नहीं दिया लेकिन जाह्नवी का नाम पुकारने पर उन्होंने स्माइल किया। एक्ट्रेस सीधा गाड़ी में बैठ गईं। बता दें कि शिखर पहाडिया महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जान्हवी और शिखर ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया था, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए थे। एक्ट्रेस ने शो कॉफी विद करण 7 में खुलासा किया था कि जाह्नवी और सारा ने दो भाइयों को डेट किया था।

अमिताभ बच्चन से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक बॉलीवुड सितारों ने दी फैंस को दिवाली की बधाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आज यानी 24 अक्टूबर को पूरा देश दिवाली का त्यौहार मना रहा है। बॉलीवुड गलियारों में भी इसका जशन देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर स्टार्स फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दे रहे हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर अक्षय कुमार समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स पोस्ट शेयर कर रहे हैं। आईए डालते हैं इन स्टार्स की विश पर एक नजर। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमे वह अपने ऑफिस में पतनी और पूरे स्टाफ के साथ पूजा करते नजर आ रहे हैं। एक्टर ने कैप्शन में लिखा- रोशनी, रंग और उनसे भी प्यारी मुस्कुराहटें. साल का मेरा सबसे अच्छा दिन! आपको और आपके परिवार को मेरी और मेरे पूरे परिवार की ओर से दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'दीपावली की अनेक अनेक शुभकामनाएं! तिलिस्मि तिजोरी तः धन अमृत प्राप्त तः सदा निरोग तः सुख शांति सर्वदा हः।' माधुरी

दीक्षित ने दिवाली के मौके पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ठरोशनी के इस त्योहार के साथ, आपको सच्चा आनंद, समृद्धि और प्यार मिले। आपको और आपके प्रियजनों को दीपावली की बहुत-बहुत बधाई। एक्टर अनुपम खेर ने अपना एक वीडियो शेयर कर लिखा, 'आप सभी को शुभ दीपावली की हार्दिक शुभकमनाएं। प्रभु जी आपको हमेशा खुश और तंदुरुस्त रखे!' करण जौहर ने भी दिवाली की शुभकमनाएं दी है। फिल्मों के गानों के झलक को शेयर कर लिखा, 'यह वर्ष मनोरंजन, प्रेम और प्रकाश के धमाका से भरा रहे मेरे धर्म परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को दीपावली की बहुत बहुत बधाई।एक्टर संजय दत्त ने फैंस को दिवाली की बधाई देते हुए लिखा, 'आपको और आपके परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकमनाएं! लाखों दीपक आपके जीवन को अनंत आनंद और समृद्धि से रोशन करें।देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भले ही विदेश में रह रही हो लेकिन एक्ट्रेस अपने त्यौहार को वहां भी बड़ी ही धूमधाम से मनाती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।